MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 167 | ग्वालियर,26 फरवरी सोमवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

यूपी की वो वोट सीटें जहां लोकसभा चुनाव में कभी नहीं जीत पाई अखिलेश यादव की पार्टी, अब सपा ने किया बड़ा खेल

उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और सपा के बीच इंडिया गठबंधन के तहत डील हुई है. बीजेपी के खिलाफ बने इस गठबंधन में कुछ छोटे दलों को रखने की तैयारी है. इस गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को 17 सीट दी हैं. अब राज्य में राज्य में सपा आगामी चुनाव में 63 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी. इसके लिए पार्टी ने 31 उम्मीदवारों का एलान भी कर दिया है. लेकिन यूपी की कुछ ऐसी सीटें हैं जहां अखिलेश यादव की पार्टी कभी चुनाव नहीं जीत पाई है. ऐसी सीटें राज्य में 9 हैं जहां सपा कभी लोकसभा चुनाव नहीं जीत पाई है. इन सीटों में अमेठी, रायबरेली, वाराणसी, बागपत, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, फतेहपुर सीकरी, हाथरस और कानपुर हैं. इन सीटों में दो सीट कांग्रेस का पुराना गढ़ है. जबकि इसके अलावा वाराणसी, गौतम बुद्ध नगर और

कानपुर मुख्य तौर पर शहरी सीटें हैं. इन सीटों पर केवल एक बार जीती सपाखास बात ये है कि अब ये सभी सीटें गठबंधन के तहत अब कांग्रेस के हिस्से में है. इन सभी सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे और गठबंधन के तहत कांग्रेस चुनाव लड़ेगी. इनमें ज्यादातर ऐसी सीट है जहां बीजेपी काफी मजबूत है और उन सीटों को राजनीति के जानकार बीजेपी के गढ़ बताते रहे हैं. हालांकि इसके अलावा कांग्रेस को दी गई 6 सीटें ऐसी भी हैं जहां सपा अभी तक केवल एक बार चुनाव जीती है.

सपा जिन सीटों पर केवल एक बार अब तक चुनाव जीती है वो सीटें हैं- अमरोहा, सहारनपुर, बुलंदशहर, झांसी, सीतापुर और महाराजगंज. सपा अमरोहा में 1996, सहारनपुर में 2004, बुलंदशहर में 2009, झांसी में 2004, सीतापुर में 1996 और महाराजगंज में 1999 में चुनाव जीती थी. लेकिन इस चुनाव के बाद सपा इन सीटों पर कभी भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है. अब गठबंधन के तहत इन सभी सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार मैदान में होंगे. जाहिर सी बात है कि सपा की कमजोरी अब कांग्रेस के हवाले होगी. हालांकि ये तो आने चुनाव के रिजल्ट ही बता पाएंगे कि अब इन सीटों पर कांग्रेस का प्रदर्शन कैसा रहता है.

इंदौर में दर्दनाक हादसे में गई थी युवक की जान, अब माता-पिता ने दान की बेटे की आंखें

इंदौर के रावजी बाजार में एक दुखद घटना में, एक दुकानदार की दुर्घटना में जान चली गई. युवक की असमय मौत के बाद उसके माता-पिता ने युवक की आंखें दान कर दीं. मृतक शनिवार (24 फरवरी) की शाम एक भयानक दुर्घटना का शिकार हो गया था, जिसमें एक लोडिंग वाहन का पहिया उसके शरीर पर चढ़ गया, जिसके बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई.रावजी बाजार थाना पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम राहुल (28) पुत्र हरीख बखानी है. राहुल पेशे से दुकानदार था. शनिवार शाम करीब 6:30 बजे वह इंदौर के लोहा मंडी ब्रिज के पास हुआ रावजी बाजार स्थित अपनी दुकान पर लौट रहा था, तभी एक लोडिंग ट्रक ने उन्हें

टक्कर मार दी थी.

पुलिस ने वाहन को किया जब्त-टक्कर के बाद राहुल की बाइक उछलकर दूर जा गिरी और लोडिंग वाहन का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया जिससे राहुल की मौके पर ही मौत हो गयी. लोडिंग वाहन और राहुल का दोपहिया वाहन पुलिस ने जब्त कर लिया है. राहुल के शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है. राहुल की आंखें दान करने का परिवार का निर्णय उनके गहन नुकसान के बीच करुणा की भावना को दर्शाता है.

माता-पिता ने इकलौते बेटे की आंखें दान कर दीं-राहुल के परिवार की रानीपुरा में साबुन की दुकान है. वह उनका इकलौता बेटा था. परिवार में दो बड़ी बेटियां हैं,

कौशांबी की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद 7 लोगों की मौत, आस-पास के घरों में पड़ी दरारें

उत्तर प्रदेश के कौशांबी में एक पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका हो गया, इस हादसे में अब तक फैक्ट्री मालिक समेत 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है. मृतकों में एक महिला भी शामिल है, वह पास के खेतों में काम कर रही थी. वहीं हादसे में 8 लोग घायल हुए हैं, घायलों को इलाज के लिए प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया. घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है और धमाके से आसपास के घरों में दरारें पड़ गई. इसके अलावा धमाका से फैक्ट्री की ईंटे दो से तीन सौ मीटर तक उड़ कर बिखर गई. कई मजदूरों के शरीर के चिथड़े उड़ गए, जिनके शरीर के हिस्से आसपास के खेतों में मिले.

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष नूरी खान ने दिया सभी पदों से इस्तीफा, बताई वजह

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष नूरी खान ने अपने सभी पार्टी दायित्वों से इस्तीफा दे दिया है. नूरी खान कांग्रेस के कई पदों पर रह चुकी हैं. वह पिछले 25 सालों से सीधे कांग्रेस से जुड़ी हुई थी. नूरी खान ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान उज्जैन उत्तर विधानसभा सीट से टिकट की मांग कर रही थीं. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को पत्र भेजकर नूरी खान इस्तीफा दे दिया है.महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष नूरी खान ने बताया कि वह पिछले 25 सालों से लगातार कांग्रेस से सीधे रूप से जुड़ी हुई थीं. वह कांग्रेस में कई पदों पर काम कर चुकी हैं. उनकी शुरुआत छात्र राजनीति से हुई थी. उन्हें उज्जैन जिले का एनएसयूआई का अध्यक्ष भी बनाया गया था. इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस सहित कई कांग्रेस के

आनुषंगिक संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं. उनके विधानसभा चुनाव के पहले नीमच का प्रभारी भी बनाया गया था. नूरी खान ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को चिट्ठी भेज कर सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है.

जमानत पर हैं नूरी खान-कांग्रेस नेत्री नूरी खान पर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाना और जन आंदोलन के दो दर्जन से ज्यादा मुकदमें अलग-अलग थानों में दर्ज हैं. कोरोना काल में भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी. नूरी खान को एक मामले में कोर्ट से सजा हुई है, फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं. इसके अलावा नूरी खान से जुड़े कई अन्य मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं.

इस्तीफे की क्या है वजह-नूरी खान ने इस्तीफा देने के साथ-साथ इस बात का भी जिक्र किया है कि उनकी कुछ ही महीने पहले मेजर सर्जरी हुई है. इस वजह से वे संगठन का दायित्व निभाने में पूरी तरह सक्षम नहीं हैं.

खजुराहो सीट सपा को देने पर मोहन यादव का कांग्रेस पर तंज, अमित शाह के आने की धमक है कि...

लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टियों के बीच वार पलटवार का दौर जारी है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में बूथ सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. हालांकि इससे पहले खजुराहो सीट सपा को देने पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछली बार लगभग 4 लाख वोट से यहां हारी थी. सीएम मोहन यादव ने अमित शाह के आगमन पर आगे कहा कि खजुराहो वो धरती है, जहां मतंगेश्वर महादेव आशीर्वाद देते हैं और निश्चित रूप से वो आशीर्वाद फलीभूत होता है और उसके लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं.मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अमित शाह की

एक तरह से तारीफ करते हुए कहा कि अभी तो आपके आने का कार्यक्रम ही बना था. ये आपके आने की धमक का ही परिणाम है कि कांग्रेस ने मैदान ही छोड़ दिया है. मोहन यादव ने कहा कि पिछली बार तो कांग्रेस यहां 4 लाख वोटों से हारी थी.

अमित शाह ने की मोदी की झोली भरने की अपील-खजुराहो में बूथ सम्मेलन के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने लोगों से बीजेपी को वोट देने की अपील की. उन्होंने कहा कि इस बार मध्य प्रदेश की सभी 29 की 29 सीटें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की झोली में भर दीजिए. प्रधानमंत्री मोदी ने हमें 400 सीटों का टारगेट दिया है और इस लक्ष्य को पूरा करना बूथ कार्यकर्ताओं के बिना संभव नहीं है. इस बार सभी बूथों पर विजयी का संकल्प लेकर आगे बढ़ना है.

मुसलमान चुनाव में पीएम मोदी का विरोध न करें, हालात बहुत तेजी के साथ बदले मौलाना शहाबुद्दीन बरेलवी की अपील

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में मुसलमानों से अपील की है. उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर मैं भारत के मुसलमानों से छत्तीसगढ़ की सर जमीन से अपील कर रहा हूं कि मुसलमान चुनाव में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध और मुख़ालफ़त न करें, बल्कि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें. मौलाना ने ये बातें छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर में आयोजित इस्लाहे मुआशरा कान्फ्रेंस में कही.उन्होंने कई जगहों पर धार्मिक कान्फ्रेंस को संबोधित किया और कुछ इसी तरह से हर जगह मुसलमानों को समझाने की कोशिश की. मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मुसलमानों को सलाह देते हुए कहा कि देश के सियासी हालात बहुत तेजी के साथ बदले हैं. कुछ दिनों में और ज्यादा बदलाव की उम्मीद की जा सकती है. इसलिए सियासी पहलू को देखते हुए मुसलमान अपने भविष्य के बारे में सोचें.उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों से देखा ये जा रहा है कि हर राजनीतिक पार्टी धर्मनिरपेक्षता के नाम पर मुसलमानों को चुनाव में इस्तेमाल करती है. मुसलमान बगैर सोचे समझे धर्मनिरपेक्षता का झंडा और बैनर उठाकर प्रधानमंत्री मोदी की मुख़ालफ़त करने लगता है. मुसलमान अनजाने तौर पर राजनीतिक दलों का मोहरा बन जाता है, फिर ऐसा लगने लगता है कि सिर्फ मुसलमान ही मोदी के खिलाफ हैं और बाकी सब मोदी के समर्थन में हैं.

चुनाव में वोटिंग से पहले ऋष्ठ का एलान, खोले अपने पत्ते, इस गठबंधन की बढ़ी मुसिबत

भाजपा-राष्ट्रीय लोक दल समझौते की औपचारिक घोषणा होने से पहले ही आरएलडी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में उसके सभी नौ विधायक राज्यसभा चुनाव में न केवल भाजपा उम्मीदवारों को वोट देंगे, बल्कि सोमवार को यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बुलाई गई बैठक में भी शामिल होंगे. राज्य की 10 सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव में भाजपा के आठवें उम्मीदवार की जीत की कुंजी आरएलडी विधायकों के पास हैं. आरएलडी के सभी नौ विधायक रविवार को मथुरा में अपने पार्टी प्रमुख जयंत चौधरी से मुलाकात करेंगे.बीजेपी भले ही अपने मौजूदा सहयोगियों (आरएलडी के नौ विधायकों को छोड़कर) के सभी विधायकों के वोट मिल जाएं,

महाकालेश्वर मंदिर के नंदी गेट के पास चला उज्जैन नगर निगम का बुलडोजर

उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के नदी गेट के समीप स्थित एक होटल के अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर निगम ने पुलिस बल की मौजूदगी में हथौड़े चलवाए. होटल के अतिक्रमण को जमींदोज करते हुए नगर निगम के अधिकारियों ने क्षेत्र के अन्य लोगों से भी नियम अनुसार निर्माण कार्य करने की अपील की है.उज्जैन के बेगम बाग इलाके में महाकालेश्वर मंदिर का नया नंदी द्वार बनाया गया है. इस नंदी द्वार के पास होटल हाईलाइट में अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया था, जिसकी शिकायत नगर निगम के आला अधिकारियों तक पहुंची. इसके बाद नगर निगम की टीम ने जांच पड़ताल शुरू की. नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक ने बताया कि अतिक्रमण की शिकायत सही निकली. इसके बाद होटल संचालक को विधिवत नोटिस दिया गया. नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने की अपील की थी मगर होटल संचालक ने जब अतिक्रमण नहीं हटाया तो नगर निगम को कार्रवाई करनी पड़ी. सीएसपी ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि महिला एवं पुरुष पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है.

होटल संचालक नहीं दिखा पाया स्टे-ब नगर निगम की अतिक्रमण हटाओ टीम मौके पर पहुंची तो होटल संचालक ने स्टे होने का बहाना बनाते हुए कार्रवाई रोकने की कोशिश की. नगर निगम के अधिकारियों ने की कॉपी दिखाने को कहा तो होटल संचालक बंगले के झांकने लगा. इसके बाद नगर निगम की टीम पहुंची और अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेजी से शुरू कर दी. इस दौरान होटल को भी खाली करवा दिया गया था

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में ही नहीं पहले भी लीक हुए हैं पेपर,

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने यूपी में 17 और 18 फरवरी को हुई उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है. वहीं यूपी सरकार ने इस भर्ती की परीक्षा को छह महीने अंदर फिर से कराने के आदेश दिए हैं. हालांकि विपक्षी नेता यूपी पुलिस भर्ती के पेपर लीक मामले को लेकर योगी सरकार को घेरे हुए हैं कि आखिर कब तक पेपर लीक होंगे. वहीं अगर यूपी में हुई भर्तियों के पेपर लीक के मामलों पर नजर डालें तो इसका आंकड़ा भी आपको हैरान कर देगा.

उज्जैन में होगा इन्वेस्टर समिट, उद्योगपतियों को जमीन, बिजली, पानी समेत सरकार देगी ये सुविधाएं

उज्जैन में आयोजित इन्वेस्टर समिट को लेकर डॉ मोहन यादव सरकार बड़े पैमाने पर तैयारी कर ली है. जो उद्योगपति उद्योग लगाने की इच्छा व्यक्त करेगा, उसे जमीन, बिजली, पानी सहित सभी मूलभूत सुविधाएं तत्काल उपलब्ध करा दी जाएगी. ऐसी संभावना जताई जा रही है कि दो दर्जन से ज्यादा उद्योग का तत्काल भूमि पूजन हो जाएगा.मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर उज्जैन में दो दिवसीय इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जा रहा है उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, राजस्थान सहित आसपास के कई प्रदेशों के उद्योगपति इस इन्वेस्टर समिट में सम्मिलित होने के लिए उज्जैन आ रहे हैं. उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य इस बार सीधे उद्योगों को स्थापित करना है. इसी वजह से जमीन से लेकर सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ उद्योगपतियों के बीच सरकार अपनी कार्य योजना रखेगी. इसके बाद उद्योगपतियों की ओर से हरी झंडी मिलते ही उद्योग का भूमि पूजन कर दिया जाएगा. कलेक्टर के मुताबिक ऐसी संभावना है कि इस इन्वेस्टर समिट के बाद दो दर्जन से ज्यादा उद्योग कुछ ही समय में स्थापित हो जाएंगे.

धार्मिक पर्यटन और फिल्म उद्योग पर भी फोकस-आयोजन समिति में शामिल आईएएस आशीष पाठक ने बताया कि सरकार इस बार फिल्म उद्योग और धार्मिक पर्यटन पर भी पूरी तरह फोकस कर रही है. धार्मिक पर्यटन और फिल्म उद्योग के जरिए हजारों

लोगों को रोजगार दिया जा सकता है. मध्य प्रदेश फिल्म उद्योग को लेकर भी काफी संभावना है. सरकार फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़े व्यापारियों को भी इन्वेस्टर समिट में आमंत्रित किया है.

सरकार ने माना- इसलिए बंद हो गए उद्योग-सरकारी इन्वेस्टर सबमिट के पहले ही इस बात को भी स्वीकार कर लिया है कि गलत नीतियों और मशीनों में बदलाव नहीं होने की वजह से पुराने उद्योगों की कमर टूट गई. एक समय था जब धार्मिक राजधानी उज्जैन में सोयाबीन के तेल और कपड़े को लेकर बड़े-बड़े उद्योग थे, जिसमें हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ था, किंतु नीतियों और पुरानी मशीनों में बदलाव नहीं करने की वजह से उत्पाद महंगा पड़ने लगा और धीरे-धीरे उद्योग बंद हो गए.

अर्थशास्त्र विषय का औद्योगिक परिभ्रमण सम्पन्न

अम्बाह, पी.जी. कॉलेज अम्बाह के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अर्थशास्त्र तथा उद्यमिता विषय के विद्यार्थियों का औद्योगिक परिभ्रमण सम्पन्न हुआ। इस परिभ्रमण में विद्यार्थियों ने पवन इंण्डस्ट्री मुरैना,घडि?ाल सेंचुरी देवरी, शासकीय नर्सरी देवरी, सम्मेदशिखर देवरी, हनुमान मंदिर घिरौना तथा जिला उद्योग केन्द्र मुरैना का भ्रमण कर उद्यमिता एवं कौशल विकास के संबंध मेंअपना ज्ञान संवर्धन किया। इस कार्यक्रम की सफलता पर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कमल भारद्वाज ने महाविद्यालय के प्राचार्य विश्वास मेंढेकर, पवन इंण्डस्ट्री के संचालक श्री दीपक अग्रवाल तथा कपिल अग्रवाल, उद्योग केन्द्र मुरैना के प्रबंधक श्री संजय सिंह चौहान , जिला समन्वयक सैडमैप श्री आर.के.शर्मा तथा सहयोगी प्राध्यापकों का आभार व्यक्त किया करते हुए परिभ्रमण के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की है।परिभ्रमण कार्यक्रम को सफल बनाने में परिभ्रमण प्रभारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा, श्रीमती आरती गुर्जर तथा गिरिजा शर्मा का विशेष योगदान रहा।

लावारिस अवस्था मे मिले हेण्ड ग्रेनेड को पुलिस द्वारा कराया गया सुरक्षित डिस्पोज

एसपी ने लावारिस मिले हेण्ड ग्रेनेड बम को बताया 30 - 35 बर्ष पुराना

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । गत दिवस दिनांक 24/02/2024 के रात्रि के लगभग 10.30 बजे पुलिस अधीक्षक डॉ असित यादव को स्थानीय संघ (आरएसएस) कार्यालय जिला भिण्ड से सूचना प्राप्त हुई कि संघ परिसर के खाली ग्राउण्ड में एक तरफ हेण्ड ग्रेनेड जैसी संरचना रखी हुई है, जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुये पुलिस अधीक्षक डॉ. यादव ने थाना प्रभारी सिटी कोतवाली को उक्त स्थान पर पहुंचने हेतु निर्देश दिये तथा मामले की गम्भीरता को देखते हुये स्वयं उस स्थान पर पहुंचे जहां से सूचना आई थी। सिटी कोतवाली निरीक्षक प्रवीण सिंह चौहान द्वारा दूर से देखने पर उक्त संरचना हेण्ड ग्रेनेड जैसी दिखाई दी जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुये स्थानीय डॉग स्काट तथा बीडीडीएस टीम मुरैना को सूचित किया जिस पर बीडीडीएस टीम मुरैना ने शीघ्र ही पहुंच कर उक्त ग्रेनेड का परीक्षण कर उसे 30 - 35 वर्ष पुराना तथा जीर्ण हालत में होना बताया जिसकी बाहरी परत खराब दिख रही थी जिसे सैण्ड

बोरी में रखकर प्रोटोकॉल अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

घटनाक्रम के संबंध में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक प्रवीण सिंह चौहान द्वारा जायजा लेने पर पता चला कि संघ कार्यालय के परिसर मे समतलीकरण के लिये दो तीन वर्ष पूर्व स्थानीय ग्राम डिडी,जहां पर भिण्ड जिलें की पुरानी फायरिंग रेंज हुआ करती थी, से मिट्टी लाई गई थी जो कार्यालय के सामने बने खाली मैदान में फैलाई हुई है। दो दिन पूर्व दिनांक 23/02/2024 को स्थानीय मोहल्ले के बच्चे जो उस परिसर में खेलने आते थे, उन्हें मिट्टी में यह ग्रेनेड मिला था, जिसे संघ कार्यालय में तत्समय उपस्थित राममोहन पुत्र शिवनरेश भदौरिया निवासी ग्राम विरगवां थाना पावई के द्वारा इसे यथा स्थान पर मैदान में ही किनारे पर रखवा दिया तथा अपने वरिष्ठजनों के माध्यम से पुलिस को रात्रि दिनांक 24/02/2024 को सूचना दी गई जिस पर से पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुये किसी भी अफवाह को विराम देते हुये सक्षम एवं उपयुक्त कार्यवाही की गई।

वैश्विक पटल पर भारत का व्यवहार में भारतीयता के विचार से होगा: भूपेन्द्र यादव

'अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा वैश्विक पटल पर भारत का पुनरुत्थान विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

दिल्ली, 25 फरवरी: डॉ अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में ÷वैश्विक पटल पर भारत का पुनरुत्थान÷ विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में, श्री भूपेन्द्र यादव, माननीय केंद्रीय मंत्री (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, श्रम और रोजगार) , ने व्यवहार में भारतीयता के अवतरण के माध्यम से भारत के एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने का दृष्टिकोण व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री ने भारत के वैश्विक नेता बनने की राह पर प्रकाश डाला और दुनिया भर में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में देश के आगे बढ़ने पर जोर दिया।अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वाधान में शैक्षिक फाउंडेशन द्वारा नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ सिंधी लैंग्वेज (एनसीपीएसएल) और शिवाजी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, के सहयोग से डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 25 और 26 फरवरी, 2024 को ÷वैश्विक पटल पर भारत का पुनरुत्थान÷ शीर्षक से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मानित सभा को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री भूपेंदर यादव ने वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक शोध की अनिवार्यता को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिनिधियों से माननीय प्रधान मंत्री द्वारा जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान% के मंत्र में व्यक्त की गई भावनाओं को दोहराते हुए अनुसंधान प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल होने का आह्वान किया, जो अब जय अनुसंधान के साथ संवर्धित हो गया हैउन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी पहलों पर प्रकाश डाला।सम्मेलन की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके बाद सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर वीरेंद्र भारद्वाज द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथि, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ÷हम वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत के उल्लेखनीय उद्भव को देख रहे हैं, हमारे देश के भीतर निहित अंतर्निहित क्षमता को स्वीकार करना आवश्यक है। ठोस प्रयासों और रणनीतिक पहलों के साथ, हम भारत को वर्ष 2047 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने की सम्मानित स्थिति

तक पहुंचने की कल्पना करते हैं, जो एक मील का पत्थर होगा जिसे हम विकसित भारत कहते हैं।सम्मेलन में कई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले अनेक प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो भारत के वैश्विक कद को आगे बढ़ाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रतिनिधियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और भारत के पुनरुत्थान के विभिन्न पहलुओं प जीवंत चर्चा में भाग लिया, जिसमें आर्थिक एवं सामाजिक विकास, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, विदेश नीति और सांस्कृतिक प्रभाव आदि जैसे विषय शामिल थे। इन प्रस्तुतियों ने गहन चर्चाओं को जन्म दिया और देश के भविष्य के पथ पर मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किए।अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर जे. पी. सिंघल ने अपने संबोधन में दुनिया के सबसे युवा देश के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में अंतर्निहित परिवर्तनकारी क्षमता पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा में निवेश सर्वोपरि है। भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग कर देश को वैश्विक मंच पर ज्ञान के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जा सकता है। एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्री डॉ नारायण लाल गुप्ता ने अपने संबोधन में सम्मेलन का संदर्भ और पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। सम्मेलन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति और निदेशक भी शामिल हुए। एनसीपीएसएल के निदेशक प्रोफेसर रवि प्रकाश टेकचंदानी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। एनसीडब्ल्यूईबी की निदेशक प्रोफेसर गीता भट्ट ने संगोष्ठी की कार्यवाही का संचालन किया।

लहार पुलिस द्वारा बड़ोखरी में हुए अंधे हत्याकाण्ड की आरोपी महिला को किया गया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव ने अँधे हत्याकांड का किया खुलासा

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

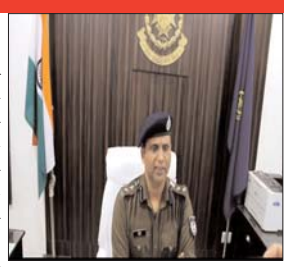

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक डॉ.असित यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के विशेष निर्देशन मे एवं एसडीओपी रविन्द्र बिलवाल अनुभाग लहार के मार्गदर्शन मे थाना लहार की टीम द्वारा दिनाँक 19/02/2024 को ग्राम वडोखरी में भूसा के कूप में मृतिका उम्र करीब 22 वर्ष की संदिग्ध हालत में मिली लाश की हत्या का खुलासा किया है। फरियादी रामू शाक्य पुत्र सुरेश शाक्य निवासी ग्राम बडोखरी की रिपोर्ट पर मर्ग क्र. 5/2024 धारा 174 जाफौ. का कायम कर जाँच में लिया गया। जाँच के दौरान प्राप्त तकनीकी साक्ष्य, परिस्थितिजन्य साक्ष्य एवं ग्रामीणों से गहन पूछताछ के आधार पर गाँव की महिला आरोपिया का संलिप्त होना पाया गया जिसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उसने मृतिका की हत्या करना कुबूल किया और आरोपिया द्वारा उक्त घटना करने का कारण बताया कि मृतिका का उसके इकलोते पुत्र से काफी समय से सम्बंध थे और लगातार एक दूसरे से बातचीत करते रहते थे,जिस कारण गाँव एवं समाज में बदनामी होने लगी थी एवं इसी बदनामी के कारण मेरे ल?के की दो बार सगाई होकर टूट चुकी थी तथा मृतिका उसके इकलोते पुत्र से शादी करने का दबाब बना रही थी,इस कारण अपने बेटे को पति के साथ अहमदाबाद भेज दिया था फिर भी लगातार फोन पर मृतिका व आरोपिया का बेटा सम्पर्क में थे इसलिये आरोपिया का बेटा कहीं और शादी नही कर रहा था और लगातार मृतिका के सम्पर्क में था। इसलिये ल?के के रास्ते से मृतिका को हटाने के लिये उसने दिनाँक 18 - 19/02/2024 की रात्री में मृतिका को उसके घर से बुलाकर तिलक सिंह जादौन के गोडा में ले जाकर उसके शॉल व दुपट्टा से गला दबाकर हत्या करके मृतिका की लाश को भूसे के कूप में छिपा दिया था। आरोपिया को आज दिनाँक 24/02/2024 को गिरफ्तार किया गया है एवं प्रकरण में अन्य तकनीकी साक्ष्य के आधार पर विवेचना की जा रही है। प्रकरण में अज्ञात आरोपियों की पतारसी हेतु पुलिस अधीक्षक भिण्ड के द्वारा 10,000 /- रूपये का इनाम घोषित किया गया था ।

ताज होटल परिवार की तरफ से निशुल्क उपचार कैंप का कराया जाएगा आयोजन: अबरार मियां समाजसेवी

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा पंजाब पुरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अबरार मियां द्वारा बताया गया की आर्थिक रूप से कमजोर सभी लोगों का निशुल्क उपचार पंजीकरण सेवर 27 फरवरी से 27 मार्च तक स्थान क्रिश्चियन आई हॉस्पिटल कचहरी एट पर लगाया जाएगा शिविर के माध्यम से सभी निर्धन बेवस गरीब मजदूर रोगियों के निशुल्क जांच उपचार और ऑपरेशन देश-विदेश के जाने-माने चिकित्सकों द्वारा एफ एच हॉस्पिटल एत्मादपुर आगरा में किए जाएंगे इसके अलावा कुल्हा घुटने आदि हड्डी जोड़ों के ट्रांसप्लेंट ऑपरेशन भी निशुल्क किए जाएंगे इस दौरान रोगी को सिर्फ उपयोगी अंग पार्ट्स ही उपलब्ध कराने होंगे अन्य खाना यात्रा और रहने आदि जरूरी सुविधाएं पूर्णतया निशुल्क रहेगी और रोगी के साथ रहने वाले एक तीमारदारों को मात्र ड़10 में भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा इसके साथ ही अबरार मियां ने सभी जनता से अपील की है कि अपने आसपास ऐसे गरीब व निर्धन व्यक्ति जो इलाज का खर्चा नहीं उठा सकते उनका पंजीकरण करने हेतु जल्द से जल्द संपर्क करें

जनपद पंचायतों में लगेगा सुरक्षा सैनिक एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैम्प

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मुख्य कार्यपालन अधिकारी के निर्देशानुसार एवं मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत भिण्ड के सहयोग से शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु सुरक्षा जवान भर्ती कैंप आयोजित किया जा रहा है। जिसमे 26-फरवरी-2024 को जनपद पंचायत अटैर, 27-फरवरी-2024 को जनपद पचायत गोहद, 28-फरवरी-2024 को जनपद पचायत मेहगांव, 29-फरवरी-2024 को जनपद पंचायत लहार, 01-मार्च-2024 को जनपद पंचायत भिंड 02-मार्च-2024 को जनपद पंचायत भिंड में प्रात 10.30 बजे से 3.30 बजे तक कैम्प आयोजित किया जाएगा।

तीसरा शिक्षा एवं बाल संस्कार शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरूः सीरवी समाज इलेक्ट्रॉनिक का तीसरा शिक्षा एवं संस्कार शिविर का आयोजन रविवार को शाम 3 बजे से किया गया। कार्यक्रम

का शुभारंभ आईमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित व आरती के पश्चात हुआ।जिसमें लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया। हरीश मुलेवा ने धर्म, शिक्षा, ज्ञान एवं सोच के विषय के बारे में जानकारी दी तथा बच्चों एवम उनके माता- पिता को सकारात्मक तरीके से निरंतर आगे बढ़ने की शिक्षा दी। इस दौरान सीरवी समाज इलेक्टोनिक सिटी के सचिव तुलसीराम सैणचा , जिगनी बडेर के सचिव जोराराम एवं कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश, कानाराम, मनोहर लाल, धनराज, रमेश एवम बडेर के पुजारी पुनाराम उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में समाज की ओर से हरीश मुलेवा का माला पहनाकर सम्मान किया गया। यह जानकारी सुचना मंत्री देवाराम सोलंकी ने दी

स्वर्गीय भगवान दास अग्रवाल की दूसरी पुण्यतिथि पर हुआ रक्तदान

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद- भारत विकास परिषद शाखा गोहद द्वारा स्व.श्री भगवान दास जी अग्रवाल की द्वितीय पुण्यतिथि में द संस्कार स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें लगभग 30- 35 से लोगो ने रक्तदान में सहयोग दिया और शिविर को सफल बनाया रक्तदाताओं में मुख्य रूप से इंजी. आशीष शर्मा, शिवम भटेले , अरुण प्रताप, कपिल शर्मा ,सुमित नारौलिया,अमन अग्रवाल, महेश कुमार , संदीप शर्मा , जितेंद्र सिंह, मो.उस्मान राइन, मनोज गुप्ता विनीत गुप्ता, आशीष मुदगल,सुबोध बाजपेयी,राहुल खुराशिया, प्रवीण जैन, रोहित जैन, गिर्राज मित्तल ,हरिओम राठौर, भारत विकास परिषद के संरक्षक सतीश चंद्र मिश्रा अध्यक्ष विवेक बंसल, उपाध्यक्ष हरिदर्शन जाटव जी, सचिव राहुल खुराशिया जी सहसचिव सौरभ गुप्ता जी, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल मुन्नी भटेले, सुनील जैन अबीर बंसल , कांग्रेस युवा जिला अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह गुर्जर,, शैलेंद्र सोनी,इंदल सिंह,सूरज सिंह, दीपक शर्मा ,गिर्राज भटेले आदि सदस्य गण उपस्थित रहे

आचार्य विद्यासागर जी को दी गई विनयांजलि

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद- गोहद चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री को विनयांजलि दी थी गई। आचार्य श्री विद्यासागर जी का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को विद्याधर के रूप में कर्नाटक के बेलगाँव जिले के सदलगा में शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता श्री मल्लप्पा थे जो बाद में मुनि मल्लिसागर बने। उनकी माता श्रीमती थी जो बाद में आर्यिका समयमति बनी।विद्यासागर जी को 30 जून 1986 में अजमेर में 22 वर्ष की आयु में आचार्य ज्ञानसागर ने दीक्षा दी जो आचार्य शांतिसागर के शिष्य थे। आचार्य विद्यासागर जी को 22 नवम्बर 1972 में ज्ञानसागर जी द्वारा आचार्य पद दिया गया था,केवल विद्यासागर जी के बड़े भाई ग्रहस्थ है। उनके अलावा सभी घर के लोग संन्यास ले चुके है।उनके दो भाइयों ने आचार्य विद्यासागर जी से दीक्षा ग्रहण की और मुनि योगसागर जी और मुनि समयसागर जी कहलाये।मुनि समय सागर जी को आचार्य पद दिया गया है।उन्होंने हिन्दी और संस्कृत के विशाल मात्रा में रचनाएँ की हैं। सौ से अधिक शोधार्थियों ने उनके कार्य का मास्टर्स और डॉक्ट्रेट के लिए अध्ययन किया है।उनके कार्य में निरंजना शतक, भावना शतक, परीषह जाया शतक, सुनीति शतक और शरमाना शतक शामिल हैं। उन्होंने काव्य मूक माटी की भी रचना की है।विभिन्न संस्थानों में यह स्नातकोत्तर के हिन्दी पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है।आचार्य विद्यासागर जी कई धार्मिक कार्यों में प्रेरणास्रोत रहे हैं। आचार्य विद्यासागर जी की समाधि मरण होने पर जगह जगह विनयांजलि सभाएं आयोजित की गई। आचार्य विद्यासागर जी का लोक गमन होना समाज के लिए अपूर्ण क्षति है। विनयांजलि के दौरान मुख्य रूप से सतीश जैन, जिनेन्द्र जैन, विवेक जैन,देवेन्द्र जैन,प्रवीण जैन आदि ने विनयांजलि सभा के दौरान आचार्य श्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया इस दौरान लगभग एक सैकड़ा से अधिक महिला पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए।

प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में सैकड़ो लोगो ने लिया लाभ सीरवी समाज केंगेरी वडेर में चल रहा है यह शिविर

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू. सीरवी समाज ट्रस्ट केंगेरी व डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमानगढ़ के सयुक्त तत्वाधान में 6 दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आगाज रविवार को सीरवी समाज ट्रस्ट केगेरी आईमाता वडेर में सुबह 8 बजे आईमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुआ। संस्था के सचिव ने बताया कि शिविर सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक रोजाना चलेगा। जिसकी न्यूनतम फीस रखी गई है।इस शिविर में

चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ चयनयान अपनी पांच सदस्यीय टीम के साथ एक्युप्रेशर, सुजोक, मैग्रेट और सामान्य चिकित्सा के माध्यम से डायबिटीज, पीपी थायरॉइड, अस्थमा, दमा, आंख, कान व नाक की बीमारी और जोडों के दर्द के बारे में परामर्श व प्राकृतिक चिकिस्सा कर रहे है। इस कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष कन्हैयालाल लचेटा, सचिव सुरेश देवड़ा, मनोज काग, राजूराम परिहार,भारती बाई लचेटा, निर्मला बाई लचेटा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

तीन सालों से एक स्थान पर पदस्थापना वाले अधिकारी उसी लोकसभा क्षेत्र में नहीं रहे तैनात

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भारत निर्वाचन आयोग ने दिए निर्देश

भिण्ड । भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकारों द्वारा एक ही संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के भीतर निकटवर्ती जिलों में अधिकारियों के स्थानांतरण के मामलों को गंभीरता से लिया है। आयोग ने स्थानांतरित अधिकारियों को निष्पक्ष चुनाव को उसी लोकसभा क्षेत्र के किसी भी जिले में तैनात नहीं करने संबंधी निर्देश जारी किये हैं।मौजूदा त्रुटियों को दूर करते हुए आयोग ने निर्देश दिया है कि दो संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों वाले राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को छोड़कर सभी राज्य सुनिश्चित करें कि जिन अधिकारियों को जिले से बाहर स्थानांतरित किया गया है, उन्हें उसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पदस्थापना नहीं की जाए।आयोग की स्थानांतरण नीति का अक्षरशः पालन किया जाना चाहिए। वास्तविकता को छिपाया नहीं जाये। यह नियम उन तबादलों और पोस्टिंग पर पहले की तरह लागू होता है जिन्हें आयोग के पूर्व निर्देशों के अनुसार पहले ही लागू किया जा चुका है।ईसीआई नीति के अनुसार, उन सभी अधिकारियों को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है जो या तो अपने गृह जिले में तैनात थे या एक स्थान पर तीन साल पूरे कर चुके हैं। इसमें वे अधिकारी भी शामिल हैं,जो चुनाव कार्य में सीधे या पर्यवेक्षक की है भूमिका में जुड़े हैं।चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार से खलल डालने वाले के खिलाफ, आयोग ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। गौरतलब है कि इसी के तहत, हाल ही में हुए 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में, आयोग ने विभिन्न अधिकारियों, यहाँ तक कि उन राज्यों के वरिष्ठ स्तर के पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश दिया था।

लोकतंत्र संविधान बचाओ संगोष्ठी सम्पन्न

मोदी शासन काल में देश पर भारी कर्ज : कंकर मुंजारे

देश में 2014 से मनमानी राज चल रहा - वाणी पटनायक

देश को नफरतवाद से बचाना होगा :राजमणि पटेल

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
समता संपर्क अभियान , समाजवादी कार्यकर्ता समूह, नारी चेतना मंच , विंध्यांचल जन आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में संविधान एवं लोकतंत्र पर मंडराते खतरे को लेकर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी शुक्रवार को स्थानीय पूनम जनमासा में राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई । इस अवसर पर सांसद राजमणि पटेल ने कहा कि संविधान का धर्मनिरपेक्ष एवं समाजवादी स्वरूप देश की एकता ,अखंडता और संप्रभुता के लिए बहुत जरूरी है। यह बेहद आपत्तिजनक है कि इसे बदलने का षड्यंत्र किया जा रहा है। आज जरूरत है कि नफरत फैलाने वाली ताकतों का जनता डटकर मुकाबला करे और देश को नफरतवाद से बचाया जाए।

लोकसभा पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का दावा पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने कहा कि देश पर 200 लाख करोड़ से भी ज्यादा विदेशी कर्ज का बोझ है जिसके चलते भारत की अर्थव्यवस्था बेहद कमजोर हो चुकी है। गैर बराबरी और गरीबी के दुष्प्रभाव से देश के आर्थिक हालात डावांडोल है। बढ़ते भ्रष्टाचार के चलते स्थिति बद से बदतर हो गई है। प्रधानमंत्री की गारंटी को झूठ बोलने की गारंटी कहा जा रहा है। बहुमत की तानाशाही के आधार पर देश के संविधान को नष्ट करने की साजिश चल रही है।

शराब विरोधी आंदोलन की नेत्री वाणी मंजरी दास पटनायक (भूवनेश्वर उड़ीसा) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन काल में बढ़ती जा रही नशाखोरी प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। देश में 2014 से मनमानी राज चल रहा है। नोटबंदी, कोरोना काल की मनमानी और संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे हमले देश के लिए अच्छी बात नहीं है।समता संपर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा है कि देश के संविधान की प्रस्तावना का पाठ राष्ट्रीय गान की तरह प्रचलित होना चाहिए। संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य भारतीय संविधान की उद्देशिका का मूल भाव है, जिससे देश के प्रत्येक नागरिक को अवगत होना चाहिए।लोकतंत्र सेनानी बृहस्पति सिंह ने कहा कि देश में कुछ सालों से अघोषित आपातकाल का परिदृश्य बना हुआ है। अहिंसक जन आंदोलनों को सरकारी दमन का शिकार होना पड़ रहा है। एक बार फिर देश की राजधानी को सीलबंद किया जा रहा है। देश के अंदर शीतयुद्ध जैसे हालात बना दिए गए हैं।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि एक तरफ भारत के पूर्व प्रधानमंत्री किसान नेता स्वर्गीय चरण सिंह एवं हरित क्रांति के प्रख्यात वैज्ञानिक स्वर्गीय एम एस स्वामीनाथन को मोदी सरकार के द्वारा लोकसभा चुनाव का लाभ उठाने भारत रत्न से नवाजा गया है , वहीं दूसरी ओर किसानों की आवाज को कुचला जा रहा है। देश का संसदीय लोकतंत्र बहुमत की तानाशाही का शिकार बन गया है। संवैधानिक संस्थाओं के अधिकारों में मनमानी कटौती के चलते लोकतंत्र का वजूद खतरे में है। चुनाव आयोग , सीबीआई, ईडी,

रिजर्व बैंक की स्थिति तोता जैसी है। सांसदों की सदस्यता छीनी जा रही है। विरोध के स्वरों को दबाने के लिए सांसदों का निष्कासन अत्यंत आपत्तिजनक बात है। जन आंदोलन लोकतंत्र की प्राण वायु है , लेकिन इसे दण्डनीय अपराध बना दिया गया है। देश की राजधानी के आसपास के क्षेत्र में अहिंसक किसान आंदोलन को दबाने के लिए मोदी सरकार के द्वारा युद्ध जैसी मोर्चे बंदी किया जाना अंत्यंत आपत्तिजनक एवं लोकतंत्र विरोधी है। आंदोलनकारी किसानों की बढ़ती संख्यां रोकने के लिए पूरे देश में धारा 151 का दुरुपयोग करते हुए मनमानी तरीके से जगह-जगह गिरफ्तारी करके जेल भेजा जा रहा है। यहां तक सामान्य बैठकों को भी गैर कानूनी ठहराया जा रहा है। अहिंसक आंदोलन को इस तरह से दबाया जाना देश के लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। यह देश की जनता के साथ क्रूर मजाक है। यह नागरिक आजादी पर खुल्लम-खुल्ला हमला है। चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मन देशों की सीमाओं तक सड़कें बना दी गई है। सरकार को वहां खतरा नजर नहीं आ रहा है लेकिन राजधानी दिल्ली में निहत्थे किसानों से मोदी सरकार इस कदर डरी हुई है कि पूरी सीमा को सील बंद किया जा रहा है। चारों तरफ कीलें गाड़ने , दीवार खड़ा करने और गड्ढे खोदकर सड़क संपर्क काटने का काम किया जा रहा है। लोकतंत्र में सरकार का विरोध केवल संसद में ही नहीं , सड़कों पर भी होता है। लेकिन संसद से लेकर सड़कों पर विरोध के स्वरों को दबाया जा रहा है। देश के संवैधानिक स्वरूप को विकृत बनाया जा रहा है। देश की एकता अखंडता के लिए समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष संवैधानिक स्वरूप बेहद जरूरी है जिसे खत्म करने का षड्यंत्र हो रहा है। अन्नदाता किसान की आवाज को दबाया जाना देश को कमजोर बनाने और गुलामी की ओर ले जाने की गहरी साज़िश है ,जिसका देशव्यापी प्रतिकार होना बेहद जरूरी है।

संगोष्ठी का संचालन लोकतंत्र सेनानी अजय खरे एवं आभार प्रदर्शन लोकतंत्र सेनानी रामेश्वर सोनी ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लोकतंत्र सेनानी बृहस्पति सिंह , रामायण पटेल , समाजवादी जन मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी माहेश्वरी त्रिपाठी , कामरेड अरविंद त्रिपाठी , डॉ आशीष दुबे , नारी चेतना मंच की नेत्री मीरा पटेल , डॉ श्रद्धा सिंह, डॉ मधु दुबे,गीता महंत, नैना चंदेल, अद्वैता दुबे , नरेश गुप्ता एडवोकेट, राजेंद्र पटेल एडवोकेट , अशफाक अहमद एडवोकेट, डॉ वी पी सिंह, समाजसेवी शेषमणि शुक्ला ,श्रवण प्रसाद नामदेव , डॉ रवि शंकर चतुर्वेदी , साधू सिंह लोधी पन्ना, राजेंद्र कुमार बालाघाट , सहेज लाल पटेल , शिवनाथ सिंह , मधुर पटेल,युवा किसान नेता परिवर्तन पटेल , प्रेम नाथ जायसवाल आदि की भागीदारी रही।

गुढ़ में मत्स्य विभाग की टीम का छापा, प्रतिबंधित मांगुर मछलियां जब्त

चिकित्सकों की मानें तो मांगुर मछली में आयरन और लेड बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है, इसे खाने से कैंसर का खतरा रहता है इसलिए इस प्रतिबंधित किया गया है

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
इंसानों के लिए घातक मानी जानी वाली मांगुर मछली के पालन और बिक्री पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद कुछ लोग ज्यादा लाभ कमाने के चक्कर में इन मछलियों का पालन और व्यवसाय कर रहे हैं। मत्स्य विभाग ने सूचना मिलने के बाद गुढ़ थाना क्षेत्र में छापेमार करते हुए भारी संख्या में मछलियां जब्त की है। स्थानीय निवासी ललन कुमार द्वारा तालाब में लम्बे समय से मांगुर मछली का पालन और विक्रय किया जा रहा था। मत्स्य विभाग सहायक उप संचालक के नेतृत्व में गुढ़ पुलिस के साथ मिलकर ये संयुक्त कार्यवाही की गई है। जहां अब जब्त की गई मछलियों को नष्ट किया गया है।

4 महीने में ढाई से तीन किलो तक तैयार हो जाती है-नियम को ताक पर रखकर इसलिए इस मांगुर मछली का पालन कर रहे हैं क्योंकि ये मछली 4 महीने में ढाई से तीन किलो तक तैयार हो जाती है। इस मछली में 80 फीसदी लेड एवं आयरन के तत्व पाए जाते हैं, जिससे कैंसर होने का खतरा रहता है। मिली जानकारी के अनुसार थाई मांगुर मछली को 1998 में सबसे पहले केरल में प्रतिबंधित किया गया। उसके बाद वर्ष 2000 में देश भर में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया। चिकित्सकों की मानें तो मांगुर मछली खाने से कैंसर का खतरा रहता है इसलिए इस प्रतिबंधित किया गया है।

प्रतिबंध लगाने के पीछे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान-मांगुर मछली पर प्रतिबंध लगाने के पीछे इससे होने वाला पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान है। मांगुर मछली के खाने से कैंसर और कई गंभीर रोग हो सकते हैं। यह मछली मांस खाती है, जिसकी वजह से इसका शरीर बहुत तेजी से बढ़ता है। मांगुर मछली में आयरन और लेड बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है, जिसके कारण यह इंसान और पर्यावरण दोनों के लिए खतरनाक है। कहा जाता है कि मांगुर मछली जिस तालाब या जलाशय में रहती है, वहां दूसरी प्रजाति की एक भी मछली या कीड़े-मकोड़े तक नहीं बचते। यह मछली दूसरी मछलियों को भी अपना शिकार बनती है।

इन्होंने क्या कहा-मत्स्य विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई है जिसमें तकरीबन 18 कुंतल से अधिक मछलियों को नष्ट किया गया है। मछली पालन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।
शैल यादव, थाना प्रभारी गुढ़

शिविर के समापन पर डॉक्टर धारकर ने कैंसर के उपचार का दिया प्रशिक्षण

कैंसर शिविर में 1195 संभावित रोगियों की हुई जांच - 108 में मिले लक्षण

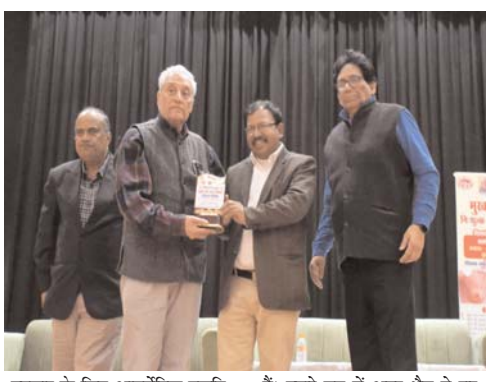

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
रीवा में कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय संभागीय कैंसर शिविर का विधिवत समापन कर दिया गया। शिविर में दूसरे दिन सतना तथा सिंगरौली के रोगियों की जांच की गयी। शिविर में दो दिनों में कुल 1195 रोगियों की जांच की गयी। इनमें से 108 व्यक्तियों में कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाये गये। शिविर का समापन करते हुए रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड ने इंदौर कैंसर फाउंडेशन के संचालक डॉ. धारकर और उनके टीम के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर के अंतिम सत्र में इंदौर कैंसर फाउंडेशन के संचालक डॉ. दिग्पाल धारकर ने कैंसर के उपचार से जुड़े डॉक्टरों को कैंसर की पहचान तथा उपचार का प्रशिक्षण दिया। डॉक्टर धारकर ने कहा कि लोगों को जागरूक करके कैंसर के आधे से अधिक मामलों में पर नियंत्रण पाया जा सकता है। कैंसर होने से पहले इसकी पूर्वावस्था होती है इनके लक्षणों के बारे में हम जागरूक रहें तो कैंसर की तत्काल पहचान हो जाती है। इंदौर कैंसर फाउंडेशन लगातार शोध करके तथा दुनिया भर के कैंसर के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर कैंसर के उपचार को प्रभावी बनाने का प्रयास कर रहा है। कैंसर के उपचार के लिए दवाओं तथा आपरेशन की लागत घटाने के लिए कई प्रयास किये गये हैं। इसमें अच्छी सफलता भी मिल रही है। कैंसर के उपचार के लिए रेडियो थेरपी का उपयोग किया जाता है। इसके रेडियेशन से लाभ होने के साथ-साथ कई साइड इफेक्ट होते हैं। इस लिए हमने एक नई तकनीक फोटो, वायोमडय़ूलेशन थेरपी शुरू की है इस विधि से शरीर पर लगभग न के बारबर साइड इफेक्ट होते हैं। यह अधिक कारगर भी है कैंसर के उपचार के लिए आयुर्वेदिक पद्धति का भी सहारा लिया जा रहा है। डॉ. धारकर ने कहा कि रीवा में शिविर का आयोजन बहुत सफल रहा। प्राथमिक स्वास्थ्य स्तर से लेकर संभाग स्तर तक पूरा कार्य व्यवस्थित तरीके से किया गया। प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग तथा स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर सेवाभाव से रोगियों की सेवा की। हमारा रीवा से संपर्क सदैव बना रहेगा। मेडिकल कालेज के डीन यदि चाहें तो रीवा के डॉक्टरों को इंदौर फाउंडेशन प्रशिक्षण देने के लिए सहर्ष तैयार है। डॉ. धारकर ने कैंसर के उपचार से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिये तथा शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि वायाप्सी कराने के बाद टय़ूमर बड़ता है तथा कैंसर अधिक तेजी से फैलता है यह धारणा सही नहीं है। इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है लोग केवल भैय वस इस तरह की धारणा बनाते हैं। हमारे मन में अगर भैय ने घर बना लिया तो हम कैंसर लड़ाई नहीं जीत पायेंगे। पूरे दृढ़ विश्वास के साथ कैंसर का सामना करके ही हम इससे जीत पायेंगे। समापन कार्यक्रम में डॉ. धारकर की टीम के सदस्यों डॉ. वीरेन्द्र व्यास, डॉ. कृतिका कुलकर्णी, डॉ. सुरेश सहगल ने भी डॉक्टरों को कैंसर के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।समारोह में कैंसर शिविर में सहयोग देने वाले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा डॉक्टरों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह का समापन मेडिकल कालेज के डीन डॉ. मनोज इंदुलकर के आभार प्रदर्शन से हुआ। समारोह में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. संजीव शुक्ला, विभिन्न चिकित्सा अधिकारी, मेडिकल कालेज के डॉक्टरगण तथा विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टर उपस्थित रहे।

पनवार पुलिस द्वारा 3 अप्रहिता को अलग अलग स्थानों से किया दस्तयाब

थाना प्रभारी पनवार प्रवीण उपाध्याय के नेतृत्व मे हुई दस्तयाबी कार्यवाही

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल के निर्देशन में एसडीओपी रूपेंद्र धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पनवार प्रवीण उपाध्याय के द्वारा 3 अप्रहिता को अलग अलग स्थानों से दस्तयाब कर परिजनो को सकुशल सुपुर्द किया है आपको बता दे कि फरियादी दिनांक 8/1/24 को शाम 5 बजे थाना आकार गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 04/2024 धारा 363 ता ही प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया जहा 17/2/24 को पनवार पुलिस ने अप्रहिता को सकुशल दस्तयाब किया2 वही दूसरे मामले में फरियादी द्वारा थाना पनवार आ कर दिनांक

12/10/23 को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमे पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 212/2023 धारा 363 ता ही का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया जहा अप्रहिता को 22/2/24 को सकुशल दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया3 वहीं तीसरे मामले में फरियादी थाना पनवार आकर दिनांक 5/2/24 को गुमसुदुगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर पनवार पुलिस ने अपराध क्रमांक 17/2024 धारा 363 ता ही के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया जहा अप्रहिता को 8/2/24 को सकुशल दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया। उक्त तीनों मामलों की कार्यवाही मेंथाना प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण उपाध्याय एएसआई सोभा सिंह प्रधान आरक्षक श्री नाथ सिंह आरक्षक राकेश वर्मा आरक्षक संभू बिंद आरक्षक सौरभ सिंह बघेल की सराहनीय भूमिका रही।

रीवा की शराब दुकानों को नहीं मिल रहे हैं ठेकेदार, प्रशासन चिंतित, अब कैसे चलेंगी शराब दुकानें

नवीनीकरण व लॉटरी में फेल हुई सरकार, अब ई-टेंडर से नीलामी की तैयारी, तय दर से 15 फीसदी ज्यादा में नवीनीकरण के कारण पीछे हटे ठेकेदार

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
सरकार की नई आबकारी नीति से शासन को झटका लगा है। नवीनीकरण और लॉटरी के लिए कोई ठेकेदार सामने ही नहीं आया। 15 फीसदी शराब दुकान की फीस और बड़ाए जाने से ठेकेदारों ने कदम पीछे खींच लिए हैं। दो स्टेप में फेल शासन अब ई-टेंडर का इंतजार कर रही है। ई-टेंडर में भी यदि ठेकेदार नहीं मिले । तो फिर नीतियों में बदलाव पर सरकार विचार कर सकती है।

इसलिए सामने नहीं आ रहे हैं शराब ठेकेदार-वर्तमान में जो भी शराब दुकानें ठेकेदार चला रहे हैं। सभी लामबंद हो गए हैं। यह स्थिति रीवा के अलावा आसपास के अन्य जिलों की भी है। वर्तमान समय में भी शराब दुकानें महंगी दरों पर उठाई गई है। ठेकेदार इतना इनकम नहीं निकाल पा रहे हैं। अब इस साल 15 फीसदी वार्षिक मूल्य में और वृद्धि कर दी गई है। यही वजह है कि ठेकेदारों ने बड़े हुए मूल्य पर शराब समूहों को लेने से ही हाथ खड़े कर दिए हैं। सूत्रों की मानें तो नवीनीकरण और लॉटरी में फेल होने के बाद आबकारी विभाग ने नई नीतियां बनानी शुरू कर दी हैं। मप्र शासन ने वर्ष 2024-25 के लिए आबकारी नीति जारी की थी। आबकारी नीति के प्रावधानों के तहमत जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला निष्पादन समिति पहले नवीनीकरण एवं लॉटरी फिर शेष रही मदिरा दुकानों, समूहों का ई टेंडर से निष्पादन किया जाना था। नवीनीकरण के लिए आवेदन पत्र 12 फरवरी से 17 फरवरी की शाम 5 बजे तक खरीदी और आवेदन का समय तय किया गया था। लॉटरी आवेदन पत्र के लिए 19 फरवरी से 22 फरवरी का दिन तय किया गया था। लॉटरी आवेदन पत्र जमा करने की तिथि 19 फरवरी से 22 फरवरी तक निर्धारित थी। 23 फरवरी को लॉटरी खोली जानी थी। इस प्रक्रिया में शासन की नीतियां फेल हो गई। रीवा से 27 समूहों के लिए कोई भी ठेकेदार नवीनीकरण के लिए सामने ही नहीं आया। इसके बाद 23 फरवरी को लॉटरी खोला जाना था लेकिन दो ही फार्म पड़े थे। इसे भी जिला प्रशासन को निरस्त करना पड़ा। अब ई-टेंडर में शराब दुकानों को नीलाम करने की तैयारी चल रही है

BPL कार्ड बनाने के बहाने रोजगार सहायक ने महिला के साथ किया दुष्कर्म, आरोपित गिरफ्तार

सतना। बीपीएल कार्ड बनवाने के नाम पर एक रोजगार सहायक ने गरीब महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद रोजगार सहायक जहां लगातार गरीब महिला को धमका रहा था वही उसे कार्ड बनवाने की लालच भी दे रहा था। लगातार रोजगार सहायक द्वारा दी जा रही धमकी और उस संबंध बनाने के बाद पीड़ति महिला ने इसकी रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने रोजगार सहायक के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।उक्त वारदात जिले के रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र की है। पुलिस के मुताबिक ग्राम पंचायत ककलपुर के ग्राम रोजगार सहायक मुकेश पांडेय पिता हनुमान प्रसाद पांडेय को महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।बताया गया कि आरोपी रोजगार सहायक मुकेश पांडेय ने एक गरीब महिला की मजबूरी का बेजा फायदा उठाते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया था। महिला अपने परिवार का बीपीएल कार्ड बनवाना चाहती थी ताकि परिवार के गुजारे के लिए उसे सरकारी तौर पर मिलने वाली मदद हासिल हो सके। इसके लिए वह रोजगार सहायक से पिछले कई दिनों से मिन्नतें कर रही थी।

पुलिस ने आरोपित को किया गिरफ्तार-मुकेश ने उसे कार्ड बनाने का भरोसा देकर झांसे में लिया और कागजात लेने के बहाने गत 22 फरवरी को महिला के घर पहुंच गया। उस वक्त महिला घर पर अकेली थी। रोजगार सहायक ने महिला के साथ ज्यादती की। परिजनों के घर लौटने पर पीड़िता ने उन्हें आपबीती सुनाई और घटना की शिकायत दर्ज कराई। बेला पुलिस चौकी प्रभारी ओशो गुप्ता और सब इंस्पेक्टर सुभाष चन्द्र वर्मा ने दबिश देकर रोजगार सहायक को गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय

संदेशखाली का संदेश

राजनीतिक संरक्षण में अपराधियों का फलना–फूलना किसी भी समाज के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही है। लेकिन संगीन अपराध के मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय वास्तविक अपराधियों को दंडित करना ही प्राथमिकता होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आपराधिक तत्वों का बोलबाला दशकों से जारी रहा है। कभी जो दबंग लोग पश्चिम बंगाल की वामपंथी सरकार के दौरान वोट छापने व बूथ कब्जाने के लिये कुख्यात थे, अब उनके ही चोला बदलकर सत्तारूढ़ टीएमसी के कार्यकर्ताओं के रूप में नजर आने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में हुई हिंसा व चुनावों में हेराफेरी इसकी बानगी बतायी जाती है। ताजा मामला पश्चिम बंगाल के उत्तर परगना जिले में स्थित संदेशखाली का है, जो आज राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। दरअसल, एक अनाज घोटाले में ईडी की कार्रवाई पर टीएमसी कार्यकर्ताओं के प्रतिरोध और उसके बाद ईडी अधिकारियों पर हमले के बाद संदेशखाली में नये–नये खुलासे होते रहे हैं। हिंसा व दबंगई के लिये कुख्यात इलाके में दबंग राजनेताओं द्वारा जमीन कब्जाने और आदिवासी महिलाओं के शोषण के मामले उजागर हुए। हालांकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष की तरफ से आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला जारी है और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगाये जा रहे हैं। भाजपा की ओर से जहां महिला मुख्यमंत्री वाले राज्य में महिलाओं का शोषण करने वाले टीएमसी नेताओं को बचाने के आरोप लगाए जा रहे हैं, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से विपक्ष पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के आरोप लगाये जा रहे हैं। कालांतर बढ़ते विवाद के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रतिनिधि संदेशखाली का दौरा करके पीड़ितों से मिले भी हैं। निस्संदेह, इस विवाद के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, लेकिन यदि दबंग राजनेताओं द्वारा महिलाओं का सामूहिक शोषण किया जाता है तो निश्चय ही यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी मुख्य अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई न होने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। हालांकि, इस प्रकरण में अब तक डेढ़ दर्जन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बहरहाल, हिंसा और दबंगई के लिये मशहूर पश्चिम बंगाल की राजनीति में संदेशखाली का विवाद लगातार विस्तार लेता प्रतीत हो रहा है। जहां तृणमूल कांग्रेस भाजपा को मामले को तूल देने के आरोप लगा रही है, वहीं भाजपा अपराधियों को बचाने के आरोप सत्तारूढ़ दल पर लगा रही है। आरोप है कि भाजपा आम चुनाव के मद्देनजर ध्रुवीकरण के प्रयासों में लगी है। बाकायदा एक बीस मिनट का वीडियो भी जारी किया गया है जिसमें महिलाएं अपनी आपबीती सुना रही हैं। क्षेत्र की महिलाएं इस मुद्दे को लेकर मुखर हो रही हैं और दोषियों को दंडित करने की मांग को लेकर एकजुट हो रही हैं। विपक्षी नेता इस आंदोलन की तुलना सिंगूर–नंदीग्राम जैसी मुहिम से कर रहे हैं, जो राज्य में सत्ता परिवर्तन की वाहक बनी थीं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि इन महिलाओं ने पहले दबंग राजनेताओं के खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठाई। कुछ लोगों की दलील है कि मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद वे आवाज उठाने में सक्षम हो पायी हैं। बहरहाल, राशन घोटाले, अभियुक्तों के ठिकानों पर छापे, जमीन हड़पने और सामूहिक उत्पीड़न के आरोपों के बीच संदेशखाली लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं व विभिन्न आयोगों के प्रतिनिधियों के संदेशखाली जाने की बात की जा रही है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पहले ही संदेशखाली का दौरा कर चुका है। बहरहाल, राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोपों से इतर यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में दबंगों का वर्चस्व बना हुआ है। ऐसे तत्व किसी भी दल में हों, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यहां जरूरी है कि किसी भी राज्य में किसी भी दल की सरकार हो, अपराधी बख्शे नहीं जाने चाहिए। अब चाहे मणिपुर में महिलाओं का शोषण हो या संदेशखाली सामूहिक यौन उत्पीड़न, सभी जगह पीड़ितों को न्याय दिलाने में तत्परता दिखानी चाहिए। अपराधी की न कोई राजनीतिक विचारधारा होती है और न ही कोई धर्म होता है। उसे सिर्फ अपराधी की तरह ही देखा जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबन्धन

पवन नागर

कांग्रेस व सपा को मिलकर एक मत से उस विमर्श को पकड़ना होगा जो कांग्रेस भाजपा के खिलाफ खड़ा कर रही है। श्री राहुल गांधी की न्याय यात्रा आजकल उत्तर प्रदेश में ही चल रही है अतः सपा प्रमुख अखिलेश यादव को इसमें शामिल होकर लोगों को सन्देश देना पड़ेगा कि दोनों पार्टियों का लक्ष्य एक ही है।

आदित्य नारायण

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबन्धन के घटक दल समाजवादी पार्टी से कांग्रेस का समझौता आखिरकार हो ही गया। इसे लेकर पिछले लम्बे अर्से से दोनों पार्टियों के बीच खींचतान चल रही थी। परन्तु अन्त समय में कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी के हस्तक्षेप से यह समझौता हो सका। इससे यह आभास होता है कि प्रियंका गांधी मौजूदा समय की चुनौतियों को समझने में सक्षम हैं और जानती हैं कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भाजपा का मुकाबले करने के लिए विपक्षी दलों की मजबूत एकता की जरूरत है। राज्य में कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष 63 सीटें सपा के खाते में जायेगी। कांग्रेस के हिस्से में मथुरा, बुलन्दशहर, सहारनपुर, अमरोहा, गाजियाबाद , सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, महाराजगंज, कानपुर, फतेहपुर सीकरी, इलाहाबाद, बनारस, झांसी व देवरिया आदि सीटें आयी हैं। ये सीटें उत्तर प्रदेश के सभी इलाकों का प्रतिनिधित्व करती है। अतः कहा जा सकता है कि सीट बंटवारा पूरी ईमानदारी के साथ किया गया है। हालांकि कांग्रेस को अपेक्षा से कम सीटें दी गई हैं। इंडिया गठबन्धन से राष्ट्रीय लोकदल के अलग हो जाने और भाजपा के खेमे में जाने के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश का राजनैतिक समीकरण इंडिया गठबन्धन के नजरिये से जिस तरह गड़बड़ाया है और पलड़ा भाजपा के पक्ष में झुका हुआ दिख रहा है उसे यह सीट बंटवारा किस तरह सन्तुलित कर पायेगा, यह देखने वाली बात होगी। मगर चुनाव लोकसभा के हो रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के विमर्श के मुकाबले कांग्रेस का विमर्श ही चल सकता है अतः समाजवादी पार्टी को भी केवल जातिगत समीकरणों से ऊपर जाकर सोचना पड़ेगा क्योंकि मतदाताओं की बुद्धिमत्ता पर शक करने की कोई वजह नहीं है। कांग्रेस व सपा को मिलकर एक मत से उस विमर्श को पकड़ना होगा जो कांग्रेस भाजपा के खिलाफ खड़ा कर रही है। श्री राहुल गांधी की न्याय यात्रा आजकल उत्तर प्रदेश में ही चल रही है अतः सपा प्रमुख अखिलेश यादव को इसमें शामिल होकर लोगों को सन्देश देना पड़ेगा कि दोनों पार्टियों का लक्ष्य एक ही है। वैसे सपा और कांग्रेस के नेता क्रमशः अखिलेश यादव और राहुल गांधी जो राजनैतिक विरासत थामे हुए हैं उसका विमर्श सांझा ही रहा है और वह धर्मनिरपेक्षता व समावेशी सामाजिक विकास के साथ पिछड़ों व दलितों के उत्थान का है। इस मोर्चे पर राहुल गांधी जिस जनगणना के कराये जाने की बात कर रहे हैं वह इसी विमर्श की उपज है जबकि इसके विरोध में भाजपा का विमर्श प्रखर राष्ट्रवाद व हिन्दुत्व का है। परन्तु भाजपा के हिन्दुत्व के विमर्श में जिस तरह पिछड़े शामिल हुए हैं उससे राज्य की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन आया है और पिछड़ा समाज ही गैर जाट व गैर यादवों समेत कथित संभ्रान्त ग्रामीण जातियों से अलग से चिन्हित होने लगा है। लोकसभा चुनावों में इन्हीं पिछड़ों को अपने–अपने खेमों में लाने की लड़ाई भी होती नजर आयेगी। इसके साथ ही राज्य के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ की कुशल प्रशासक की छवि भी विपक्षी इंडिया गठबन्धन की राह में कांटे बिछाने का काम करेगी क्योंकि समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान अखिलेश बाबू की सरकार की सबसे तीखी आलोचना कानून–व्यवस्था को लेकर ही होती थी। योगी जी ने अपनी सरकार की छवि को पूरी तरह इसके उलट बनाने में कामयाबी हासिल की है। मगर भाजपा लोकसभा चुनाव अपने प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण से उपजी हिन्दू धारा के बलबूते पर जीतने का प्रयास करेगी जिसका जवाब अखिलेश व राहुल गांधी की जोड़ी को जल्दी ही ढूंढना होगा। कांग्रेस के साथ इन चुनावों में अल्पसंख्यक वर्ग आंख बन्द करके खड़ा नजर आ रहा है जबकि पिछड़ों में अगड़ा कहे जाने वाला वर्ग अखिलेश यादव के साथ माना जा रहा है। परन्तु विजय के लिए यह समीकरण काफी नहीं है क्योंकि राज्य का 18 प्रतिशत दलित मतदाता अभी भी भ्रम की स्थिति में है। पिछले विधानसभा चुनावों में इसके पचास प्रतिशत मतदाता भाजपा के साथ चले गये थे। बसपा नेता मायावती राज्य में इस दलित वर्ग की मसीहा मानी जाती हैं मगर पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी शक्ति इतनी क्षीण हो गई कि उनकी पार्टी केवल एक ही विधायक चुनवा सकी। जबकि इससे पहले हुए लोकसभा चुनावों में बसपा के दस सांसद चुने गये थे परन्तु तब मायावती और अखिलेश बाबू में गठबन्धन था। मायावती अब अकेले चुनाव लड़कर कहीं न कहीं भाजपा की ही मदद करेंगी। मगर उत्तर प्रदेश के मतदाता राष्ट्रीय चुनावों में भी क्या यही जातिगत व वर्ग गत समीकरण देख कर वोट देंगे? यह बात देखने वाली होगी। फिलहाल प्रियंका गांधी ने सपा व कांग्रेस का गठबन्धन बनवा कर जमीन पर होने वाली लड़ाई को बहुत दिलचस्प बना दिया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में कांग्रेस व सपा जमीन से जुड़े महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों को किस अन्दाज से उठा पाते हैं, यह भविष्य ही बतायेगा। मगर इतना निश्चत है कि राज्य की 80 सीटों के नतीजे ही दिल्ली की गद्दी का फैसला करेंगे।

अखिलेश और राहुल के गठबंधन से बीजेपी में हड़कंप

राहुल लाल

उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन की अधिकृत घोषणा के बाद बीजेपी गठबंधन की स्थिति काफी कमजोर हो गई है। बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन में टूट के लिए हरसंभव प्रयत्न किया,परंतु 80 लोकसभा सीटों वाली उत्तर प्रदेश में टीम इंडिया अब मूर्तरूप में सामने आ चुकी है। उत्तर प्रदेश में अब सीट शेयरिंग की स्थिति भी स्पष्ट हो चुकी है। कांग्रेस को 17 सीटें मिली हैं और शेष 63 सीटों पर समाजवादी पार्टी अन्य छोटे घटक दलों के साथ चुनाव लड़ेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन सिर्फ यूपी तक सीमित नहीं है। गठबंधन के तहत कांग्रेस मध्य प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी को एक सीट देगी। बुधवार दोपहर में अखिलेश यादव ने कहा हमारे बीच कोई विवाद नहीं है। गठबंधन होगा,जल्द ही सारी चीजें साफ हो जाएंगी। बाकी चीजें तो पुरानी हो गई हैं। अंत भला तो सब भला। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को उत्तर प्रदेश में व्यापक जन समर्थन प्राप्त हो रहा है। कांग्रेस ने जनसरोकार के मुद्दों विशेष कर सामाजिक न्याय और आर्थिक न्याय को काफी जबरदस्त ढंग से उठाया है। जाति जनगणना का मामला हो या महंगाई और बेरोजगारी– ये मामले अब उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनावी मुद्दे बन गए हैं साथ ही अखिलेश यादव भी लंबे समय से पीडीए अर्थात पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक का मामला उठाते रहे हैं। बीजेपी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को बहुत बड़े इवेंट में बदलने की कोशिश की, लेकिन शंकराचार्यों ने जिस तरह खुलकर आधे अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को धर्म विरुद्ध बताया, उससे यह आयोजन बीजेपी के लिए नुकसान ही कर गया। उसके बाद बीजेपी ने काशी और मथुरा के मामले को भी गर्म करने की कोशिश की, लेकिन जनता की समुचित प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण बीजेपी नित प्रतिदिन अब तक किसी मजबूत मुद्दे की खोज में ही लगी हुई है। उत्तर प्रदेश में जहां टीम इंडिया के पास बेरोजगारी, महंगाई, महिला सुरक्षा, सामाजिक न्याय जैसे गंभीर जनसरोकार वाले मुद्दे हैं, वहीं बीजेपी अब भी किसी भावनात्मक मुद्दे की तलाश में शामिल है।कांग्रेस को यूपी में 17 सीटें मिली हैं। मुरादाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में गतिरोध की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन इस सीट को समाजवादी पार्टी ने अपने पास रखा है। समाजवादी पार्टी से कांग्रेस बलिया सीट की मांग कर रही थी, लेकिन समाजवादी पार्टी ने बलिया के बदले में कांग्रेस को वाराणसी सीट दी है। इस सीट पर पहले समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशी घोषित कर दिया था। इसी प्रकार हाथरस के स्थान पर कांग्रेस को सीतापुर सीट मिली है। कई लोग वर्ष 2017 के आधार पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन की आलोचना कर रहे हैं। 2017 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन के अंतर्गत कांग्रेस उत्तर प्रदेश की 114 सीटों पर लड़ी थी और शेष सीटों पर समाजवादी पार्टी लड़ी थी। लेकिन तब कांग्रेस को केवल 7 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं समाजवादी पार्टी को भी 47 सीटों पर जीत मिली थी। उस समय अखिलेश यादव को सत्ताविरोधी रूझान का सामना करना पड़ा था। इसके अतिरिक्त समाजवादी पार्टी में घर वापसी–मतीजे में भी संघर्ष की स्थिति बनी हुई थी।उत्तर प्रदेश के 2014, 2017, 2019 और 2022 से 2024 का चुनाव पूरी तरह अलग है। इस समय मोदी सरकार के 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं और उन्हें भारी सत्ता विरोधी रूझानों का सामना करना पड़ रहा है। मोदी सरकार अब तक अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष नहीं रख पाई है। उत्तर प्रदेश में 2017 से डबल इंजन की सरकार चल रही है। सरकार भले ही इवेंट मैनेजमेंट कर उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर करने का दावा कर रही हो, लेकिन वास्तव में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय पड़ोसी पाकिस्तान और कई अफ्रीकी देशों से भी काफी कम है। यही कारण है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में युवाओं का उत्साह अभूतपूर्व रूप से सामने आ रहा है। ऐसे में उत्तर प्रदेश 2024 का चुनाव 2009 की तरह चौंकाने वाला होगा। कांग्रेस को मिली 17 सीटों में रायबरेली और अमेठी पहले से ही कांग्रेस के गढ़ रहे हैं। 2019 में अमेठी में स्मृति ईरानी जीत गई थी, लेकिन अब वहां उनके लिए भारी नाराजगी है। झांसी,बांसगांव, देवरिया, सहारनपुर, महाराजगंज, अमरोहा जैसे सीटों पर अभी से ही कांग्रेस गठबंधन के कारण बढ़त में नजर आ रही है। कांग्रेस की 17 सीटों में से 11 सीटों पर बीजेपी के लिए संकट के बादल अभी से ही मंडराने लगे है। कांग्रेस के द्वारा प्रत्याशियों के घोषणा के बाद ऐसे सीटों की संख्या में और वृद्धि संभव है वहीं तीन सूचियों में समाजवादी पार्टी अब तक 31 नामों की घोषणा कर चुकी है। इनमें 3 यादव और 3 मुस्लिम चेहरे हैं शेष 25 सीटों पर जो उम्मीदवार उतारे गए हैं, उसमें सपा ने जाति समीकरण विशेषकर पीडीए(पिछड़ा,दलित और अल्पसंख्यक) को साधने का प्रयास किया है। समाजवादी पार्टी ने गैर यादव ओबीसी पर पर्याप्त बल दिया है। वहीं समाजवादी पार्टी ने अयोध्या से दलित नेता अवधेश प्रसाद को टिकट देकर बीजेपी को अयोध्या में फंसा दिया है। अवधेश प्रसाद 9 बार के विधायक और कैबिनेट मंत्री रहे हैं। अवधेश प्रसाद के बारे में यह भी कहा जाता है कि जब वे अयोध्या में होते हैं, तो प्रतिदिन सरयू नदी में स्नान करते हैं। उन्हें अयोध्या के सामान्य जनता के साथ अधिकांश साधु संतों का समर्थन प्राप्त है, जो बीजेपी के लिए काफी चिंता वाली बात है। समाजवादी पार्टी ने जिस सावधानी के साथ उम्मीदवारों का चयन किया है, उससे कम से कम 15 सीटों पर अभी से समाजवादी पार्टी स्पष्ट बढ़त में नजर आ रही है। इस तरह अभी से ही उत्तर प्रदेश में टीम इंडिया की स्ट्राइक रेट कम से कम 50 प्रतिशत की दिख रही है। बीजेपी भले ही यूपी में 80 सीटों का नारा दे रही है,लेकिन सपा और कांग्रेस गठबंधन के घोषणा के बाद से ही बीजेपी में हड़कंप मचा हुआ है। बीजेपी के लिए चुनौती यह है कि आखिर वह यूपी में घट रही सीटों की क्षतिपूर्ति कहां से करेगी? बीजेपी उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में अपने अधिकतम अंक पर खड़ी है।2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी गठबंधन में थी। इस गठबंधन में समाजवादी पार्टी के वोट तो बीएसपी को ट्रांसफर हो गए थे, लेकिन बीएसपी के वोट समाजवादी पार्टी को ट्रांसफर नहीं हुए थे। यही कारण था कि बीएसपी 10 और समाजवादी पार्टी 5 सीटों पर सिमट गई थी। ऐसे में जहां समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी खड़े थे, वहां दलितों का एक बड़ा हिस्सा बीजेपी के पक्ष में वोट कर गया था। लेकिन इस बार स्थितियां बदल गई हैं। बीएसपी अकेले चुनाव के मैदान में है, ऐसे में उनके कट्टर समर्थक बहुजन समाज पार्टी के साथ बने रहेंगे। इससे उनके बीजेपी में जाने की संभावना नहीं होगी। वहीं 2022 के बाद दलित वोटरों का झुकाव समाजवादी पार्टी की ओर भी हुआ है। इस स्थिति में फ्लोटिंग दलित वोट सपा और कांग्रेस गठबंधन के साथ आने की पूरी संभावना है। उत्तर प्रदेश के चुनाव में टीम इंडिया के मूर्तरूप में आने के बाद चुनाव पूर्णतरू द्विपक्षीय होगा। ऐसे में बीएसपी के वोट प्रतिशत में और कमी अवश्यंभावी है और टीम इंडिया में उनका जाना तय है। वहीं शेष दलित मत मायावती जी के पास होगा। लेकिन बीजेपी के तरफ दलित मतदाताओं का रूझान न्यूनतम होगा।बीजेपी लगातार टीम इंडिया के सीट बंटवारे पर प्रश्न उठाते रहती है, परंतु एनडीए में सीट बंटवारे के लिए घमासान की स्थिति बनी हुई है। महाराष्ट्र में शिवसेना एकनाथ शिंदे 20 सीटें मांग रही है, तो एनसीपी अजीत पवार भी 20 सीटों से कम पर तैयार नहीं हैं साथ ही बीजेपी भी कम से कम 22–23 सीटों पर लड़ना चाह रही है। इस तरह महाराष्ट्र में एनडीए को चुनाव लड़ने के लिए कम से कम 62–63 सीटों की जरूरत है, जबकि कुल सीट 48 ही है। इसी तरह किसान आंदोलन के तीव्र गति पकड़ने से राष्ट्रीय लोक दल को भी अधिकृत तौर पर अभी तक एनडीए का हिस्सा नहीं बनाया गया है। बीजेपी भी इस तथ्य से परिचित है कि उन्होंने जयंत को तोड़ तो जरूर लिया है, लेकिन जयंत के मतदाता को नहीं तोड़ पाएं हैं। पश्चिमी यूपी में किसान अभी भी टीम इंडिया के साथ है। वहीं अकाली दल भी किसान आंदोलन का बहाना बनाकर एनडीए से बाहर आया था।

पहले धरती को बचाएं

पवन नागर

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला भारत जब तकनीक में इतना संपन्न है तो धरती पर यह तकनीक काम क्यों नहीं करती? पिछली गर्मी में बारिश के कारण किसानों की फसलें खराब हो गई थीं, जबकि मानसून में कहीं सूखे के कारण तो कहीं अधिक वर्षा के कारण किसानों की फसलों को बहुत नुकसान हुआ। ऐसे में किसानों के इस नुकसान का पूर्वानुमान लगाने वाली कोई तकनीक अभी तक हमारे पास क्यों नहीं है? जलवायु परिवर्तन ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। आने वाले सालों में यह और भी खतरनाक हो सकता है। अभी हमारे देश के कुछ राज्य सूखे का सामना कर रहे हैं तो कई राज्यों को अधिक वर्षा के कारण बाढ़ और भू–स्खलन की घटनाओं का सामना करना पड रहा है। ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का असर सिर्फ भारत में ही हो रहा है। पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर हो रहा है जिसके कारण दुनियाभर के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन से किसानों को सबसे ज़्यादा परेशानी का सामना करना पडेगा, खासकर उन किसानों को जिनके पास खेती के अलावा और कोई आजीविका नहीं है। मतलब छोटे और मध्यम किसानों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा, जिसके कारण न सिर्फ इनके परिवार संकट में आएंगे, बल्कि खेती–किसानी से जुड़े सभी लोग प्रभावित होंगे और खाद्यान्न संकट पैदा होगा सो अलग। जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों की फसलें खराब हो रही हैं जिससे खाद्य सामग्रियों के दाम अप्रत्याशित रूप से बढ़ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की समस्या से निजात पाने में हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा। चूंकि इस समस्या के उत्पन्न होने में हर व्यक्ति का हाथ है, इसलिए इसके समाधान में भी हर व्यक्ति को भागीदार होना होगा। जिस प्रकार से हमने पर्यावरण को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, ठीक वैसे ही हम सबको पर्यावरण को ठीक करने के लिए कमर कस लेना चाहिए। यदि अभी भी आप इस समस्या को हल्के में लेना चाहते हैं तो भविष्य में आने वाले खतरों का सामना करने के लिए तैयार रहें। महंगाई से मुकाबला करने के लिए तैयार रहें, खाद्यान्न संकट के लिए तैयार रहें, जल संकट के लिए तैयार रहें, सूखे के लिए तैयार रहें, बाढ़ के लिए तैयार रहें, भीषण गर्मी के लिए तैयार रहें, भू–स्खलन के लिए तैयार रहें, नई–नई बीमारियों के लिए तैयार रहें। दूसरा विकल्प यह है कि आप अपनी जीवन–शैली में परिवर्तन करें और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाली आदतें त्यागें। विकास का जो बेढंगा मॉडल अभी दुनिया भर में चल रहा है, उस पर पुनर्विचार करें। जंगलों और पहाड़ों पर मानवीय हस्तक्षेप की रोकथाम करें। प्रकृति का चीरहरण बंद करें अन्यथा प्रकृति की व्यवस्था में देर तो है, परंतु अंधेर बिलकुल भी नहीं है। पूरी दुनिया तभी तक बची हुई है जब तक प्रकृति का धैर्य है, जिस दिन यह धैर्य टूटा कि प्रकृति का तांडव देखने को मिलेगा। ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन का संकट सिर्फ एक दिन में खड़ा हो गया है और एक दिन में इसका हल निकल जाएगा। यह धीरे–धीरे होने वाली एक घटना है और इसका समाधान भी धीरे–धीरे ही होगा। वैसे तो देश–विदेश की सारी समस्याओं की चर्चा आमजन कर ही लेते हैं, परंतु जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करने के लिए किसी के पास समय नहीं है, बल्कि कहना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को आमजन कोई समस्या ही नहीं मानते। इसीलिए यह समस्या इतनी विकराल हो गई है। जैसे भोजन की गुणवत्ता पर किसी का ध्यान नहीं है, वैसे ही जलवायु परिवर्तन पर भी किसी का ध्यान नहीं है। हरित क्रांतिश के बाद हमारे देश में रसायन आधारित खेती के कारण शुद्ध और पोषणयुक्त भोजन का अभाव हो गया है। हमारा देश ही नहीं, अपितु विश्वभर के लोग रसायनयुक्त भोजन करने पर मजबूर हैं। जिस भोजन से जीवन चलना है उस पर किसी का ध्यान ही नहीं कि उसे किस विधि से उत्पादित किया जा रहा है या उसको उपजाने में कितने जहरीले रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है। इसी कारण विभिन्न बीमारियों का जन्म हो रहा है। जिस प्रकार हमने रसायनों का अंधाधुंध इस्तेमाल करके अपने भोजन को पोषण–विहीन बना दिया है, ठीक उसी प्रकार आधुनिक और सुविधाजनक जीवनशैली के लिए पर्यावरण को प्रदूषित कर दिया है। हम नादानों की तरह जंगलों की कटाई कर रहे हैं। बेशकीमती पानी को सहेजने की जगह उसका अंधाधुंध दोहन करने में लगे हुए हैं। पहाड़ों को भी हमने नहीं छोड़ा है जो कि हमारे रक्षा कवच हैं। शहर–दर–शहर पहाड़ियों को छलनी कर दिया है। प्रकृति हमको जीवन जीने के सारे बहुमूल्य तत्व मुफ्त में प्रदान करती है, पर हम इन बहुमूल्य तत्वों को बर्बाद करने में लगे हुए हैं। जबकि हम सबको बस इतना करना है कि जिन प्रकृति–प्रदत्त तत्वों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उतना ही हिस्सा प्रकृति को हमें वापस लौटाना होगा। यह जिम्मेदारी हरेक व्यक्ति की होनी चाहिए। इस समस्या को न तो सरकारों के हवाले किया जाना चाहिए और न ही किसी एनजीओ जैसे संगठन के। यह तो धरती पर निवास कर रहे हर व्यक्ति की अपनी निजी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह सालभर में जितना पानी इस्तेमाल करे, उतना ही पानी वापस धरती को लौटाए। जितनी ऑक्सीजन साल भर में पौधों से ले, उतनी वापस करने के लिए उतने पौधे हर साल लगाए। यदि प्रकृति साल भर तरह–तरह के फल खाने को दे रही है तो मेरी भी जिम्मेदारी है कि फलदार वृक्ष लगाऊं। यदि जंगलों से वर्षा हो रही है तो जंगलों को बचाने, बनाने में सहयोग करूं। नदियों से हमारा जीवन चल रहा है तो हमको नदियों को बचाकर रखना होगा, न कि उनको प्रदूषित करना है।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.24 अरब डॉलर घटकर 617.23 अरब डॉलर पर

मुंबई. देश का विदेशी मुद्रा भंडार नौ फरवरी को समाप्त सप्ताह में 5.24 अरब डॉलर घटकर 617.23 अरब डॉलर रहा। इससे एक सप्ताह पहले कुल विदेशी मुद्रा भंडार 622.5 अरब डॉलर रहा था। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में विदेशी मुद्रा भंडार 50.28 अरब डॉलर बढ़ गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, दो फरवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्राभंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.07 अरब डॉलर घटकर 546.52 अरब डॉलर रही। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रम के बीच रुपये को संभालने के लिए रिजर्व बैंक को इस भंडार के एक हिस्से का इस्तेमाल करना पड़ा था। परिणामस्वरूप, रुपया इस वित्त वर्ष में अब तक की सबसे अच्छी एशियाई मुद्रा रही है। कुल भंडार में कमी विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में तेज गिरावट के कारण हुई, जो भंडार का सबसे बड़ा घटक है। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

इस कंपनी के पास 19 सोलर प्रोजेक्ट, अब नए अधिग्रहण से शेयर ने लगा दी दौड़

नई दिल्ली.इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इंडिया ग्रिड ने 1550 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर 300 मेगावाट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को इसकी जानकारी दी है। इस डील के बाद इंडिग्रिड के पास देशभर के आठ राज्यों में 19 सोलर प्रोजेक्ट्स हो गई हैं। इनकी कुल उत्पादन क्षमता 1.1 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) है। इंडिया ग्रिड ट्रस्ट (इंडिग्रिड) ने बयान में कहा कि उसकी प्रबंधन अधीन कुल संपत्ति अब 28,200 करोड़ रुपये हो गई है।

अधिग्रहण को लेकर शेयर खरीद समझौते पर जनवरी 2024 में दस्तखत किए गए थे।शेयर का हाल बीएसई इंडेक्स पर इंडिया ग्रिड ट्रस्ट के शेयर में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 1 फीसदी बढ़कर 134 रुपये के पार बंद हुआ। शेयर ने मई 2023 में 141.51 रुपये के 52 वीक हाई को टच किया तो नवंबर 2023 में शेयर 121 रुपये के स्तर तक लुढ़क गया। कंपनी का मार्केट कैप 10,505.14 करोड़ रुपये है। कंपनी के बारे में इंडिग्रिड भारतीय बिजली क्षेत्र में पहला इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvIT) है। इसके पास 36 बिजली परियोजनाएं हैं, जिनमें 8,468 सीकेएमएस से अधिक लंबाई वाली 46 ट्रांसमिशन लाइनें, लगभग 17,550 एमवीए परिवर्तन क्षमता वाले 13 सबस्टेशन और लगभग 855 मेगावाटएसी सौर उत्पादन क्षमता शामिल है।

रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता पर इक्रा का अनुमान

इस बीच, रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि भारत में स्थापित रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) क्षमता बढ़कर मार्च 2025 तक 170 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है।

बजट बाद रॉकेट की तरह बढ़ा एनर्जी शेयर,अब क्रैश, दांव लगाने का सही समय?

नई दिल्ली.बीते एक फरवरी को अंतरिम बजट के बाद भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयरों में तूफानी तेजी आई थी। इस तेजी की बदौलत शेयर 6 फरवरी 2024 को 215 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। यह शेयर के अब तक का हाई लेवल भी है। हालांकि, इसके बाद से शेयर में गिरावट का दौर शुरू हुआ और अब अपने ऑल टाइम हाई से 26 फीसदी टूट चुका है।

शुक्रवार को आई गिरावट

बीते शुक्रवार को इरेडा के शेयर में 5% की गिरावट आई। बीएसई पर इरेडा के शेयर 167.75 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 5% गिरकर 159.40 रुपये पर आ गए। बता दें कि 29 नवंबर 2023 को आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी और इस शेयर का 52 वीक लो 49.99 रुपये है।

एक्सपर्ट की राय

ब्रोकरेज प्रभुदास लीलाधर शिजू कूथुपालक्कल ने कहा-स्टॉक ने डेली चार्ट पर 185 रुपये क्षेत्र के पास निचले स्तर पर ब्रेकआउट देखा है। हालांकि अब भी इसमें पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि एक बार 154 रुपये के स्तर पर रहने के बाद शेयर 185 रुपये के स्तर तक जा सकता है। टिप्स2ट्रेड्स के अभिजीत के मुताबिक इरेडा स्टॉक की कीमत डेली चार्ट पर 186 रुपये पर मजबूत प्रतिरोध के साथ मंदी की ओर है। यह शेयर 124 रुपये के स्तर तक लुढ़क सकता है।

इरेडा के तिमाही नतीजे

इरेडा का नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 67 प्रतिशत बढ़कर 335.54 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के लोन बुक में वृद्धि और नेट एनपीए में साल-दर-साल 2.03 प्रतिशत से 1.52 प्रतिशत की भारी कमी के कारण प्रॉफिट में उछाल आया।

77 रुपये का शेयर पहले ही दिन 185 रुपये के पार पहुंचा, 141 का तगड़ा फायदा

बिजनेस डेस्क. दिल्ली उच्च न्यायालय ने ओप्पो को इंटरडिजिटल के लिए बकाया सभी रॉयल्टी जमा कराने का निर्देश दिया है और यदि वह ऐसा नहीं करती है तो भारत में उसके द्वारा डिवाइस की बिक्री प्रतिबंधित की जा सकती है। न्यायालय ने ओप्पो पर पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दुनियाभर में मोबाइल डिवाइस, नेटवर्क और सेवाओं के लिए वायरलेस और वीडियो टेक्नोलॉजी मुहैया कराने वाली इंटरडिजिटल द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि ओप्पो ने उसके 3जी, 4जी और 5जी स्टैंडर्ड एसेंशियल पेटेंट्स (एसईपी) का उल्लंघन किया था।न्यायमूर्ति प्रतिभा सिंह ने कहा, 'प्रतिवादी को वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 के लिए पिछली सभी बिक्री से संबंधित राशि इस अदालत के रजिस्ट्रार जनरल के पास तीन महीने के अंदर जमा करानी चाहिए। इस राशि को ऑटो-रिन्यूअल मोड पर ब्याज वाली सावधि जमा में रखा जाएगा।' न्यायालय ने कहा कि ऐसा नहीं किए जाने पर इंटरडिजिटल को अदालती आदेशों के गैर-अनुपालन की वजह से इंटरडिजिटल को भारत में ओप्पो द्वारा किसी भी अन्य डिवाइस की बिक्री पर रोक लगाने की मांग करते हुए अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर करने का अधिकार है।

ओप्पो को चुकानी पड़ेगी अतिरिक्त रकम

कोर्ट ने आदेश दिया कि ट्रायल इस साल के अंत तक पूरा हो जाना चाहिए वरना ओप्पो को अतिरिक्त रकम चुकानी पड़ेगी। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा, 'मामले में सुनवाई 2024 में पूरी हो जानी चाहिए।

यदि दिसंबर 2024 तक किसी कारण सुनवाई पूरी नहीं होती है तो प्रतिवादियों को 31 मार्च 2025 तक रजिस्ट्रार जनरल के पास अतिरिक्त रकम जमा करानी होगी।' पिछले साल ओप्पो को नोकिया के साथ विवाद में इंटरिम सिक्युरिटी चुकाने का निर्देश दिया गया था।

टाटा के इस शेयर ने लगातार 7 दिन तक दिया तगड़ा रिटर्न, अभी और बढ़ेगा भाव!

नई दिल्ली. टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों में तेजी पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 2.28% गिरकर 6814.05 रुपये पर बंद हुआ।

इससे पहले लगातार सात दिन तक शेयर में तेजी रही। सात कारोबारी दिनों में इसमें 36.15 फीसदी की तेजी आई है। बता दें कि गुरुवार को शेयर 9.86 प्रतिशत उछलकर एक साल के उच्चतम स्तर 7,115 रुपये पर पहुंच गया था। इस शेयर ने पिछले एक साल में लगभग 250 प्रतिशत की तेजी के साथ मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

स्टॉक एक्सचेंज की निगरानी

स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने टाटा इन्वेस्टमेंट की सिक्योरिटीज को लॉन्ग टर्म एएसएम (अतिरिक्त निगरानी उपाय) स्ट्रक्चर के तहत सूचीबद्ध किया है। निवेशकों के हित को ध्यान में रखकर शेयर को शॉर्ट या लॉन्ग टर्म एएसएम स्ट्रक्चर में डाला जाता है।

कैसे रहे दिसंबर तिमाही के नतीजे

इस बीच, टाटा इन्वेस्टमेंट ने दिसंबर तिमाही के दौरान नेट प्रॉफिट में 54.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। इस तिमाही में प्रॉफिट 53.24 करोड़ रुपये है, जबकि एक साल पहले वित्त वर्ष में यह 34.53 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 37.66 करोड़ रुपये से 34.23 प्रतिशत बढ़कर 50.55 करोड़ रुपये हो गया।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

आनंद राठी शेयर्स और स्टॉक ब्रोकर्स के जिगर एस पटेल ने कहा, ÷ शेयर को समर्थन 6700 रुपये पर होगा और ब्रेकआउट 7000 रुपये पर होगा। यह शेयर 7200 रुपये तक बढ़ सकता है।

एक महीने के लिए ट्रेडिंग रेंज 6,500 रुपये से 7,300 रुपये के बीच होगी।

वहीं, टिप्स2ट्रेड्स के एआर रामचंद्रन ने कहा कि टाटा इन्वेस्टमेंट में तेजी है, लेकिन डेली चार्ट पर 7,663 रुपये पर अगले ब्रेकआउट के साथ बहुत अधिक खरीदारी है।

ZEE मामले में सरकार का एक्शन, फंड डायवर्जन पर SEBI से मांगी डिटेल

बिजनेस डेस्क. जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (ZEEL) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सोनी ग्रुप के साथ मर्जर प्लान रद्द होने और सेबी की सख्ती के बाद अब कंपनी पर सरकार की निगरानी बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने फंड डायवर्जन को लेकर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से विवरण मांगा है।

गोयनका को जांच में शामिल किए जाने की संभावना

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, मीडिया रिपोर्ट में सेबी को 2,000 करोड़ रुपए (241 मिलियन डॉलर) से अधिक की गड़बड़ी का पता चला है। ऐसे में इसका विवरण मांगा गया है। जी एंटरटेनमेंट के मुख्य अधिकारियों द्वारा फंड डायवर्जन पर मंत्रालय की नजर है। अधिकारी के मुताबिक अगर जरूरत पड़ी, तो जी एंटरटेनमेंट के सीईओ पुनीत गोयनका को भी जांच में शामिल होने के लिए बुलाया जा सकता है।बता दें कि कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय साल 2019 से कॉर्पोरेट प्रशासन उल्लंघनों को लेकर जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज की जांच कर रहा है। मंत्रालय की जांच एस्सेल समूह की संबंधित पार्टियों के ऋणों के निपटान के लिए यस बैंक द्वारा 200 करोड़ रुपए की एफडी से जुड़े मामले में हो रही है। इसी मामले को लेकर नवंबर 2019 में जी एंटरटेनमेंट के स्वतंत्र निदेशकों सुनील कुमार और नेहारिका वोहरा ने बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था। इस दौरान कई गंभीर आरोप भी लगाए गए।

4 महीने से सुस्त पड़े सरकारी कंपनी के शेयर बने रॉकेट, 75 का फायदा, जानें तेजी के पीछे की वजह

नई दिल्ली. सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (LIC) के शेयरों की कीमतों में पिछले 4 महीने के दौरान तूफानी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का भाव इस दौरान 600 रुपये से 1066 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। यानी इस दौरान कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 75 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। लेकिन सवाल उठ रहा है कि आखिर किस वजह से एलआईसी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। शेयर बाजार से जुड़े एक्सपर्ट्स का मानना है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के मजबूत प्रदर्शन की वजह से एलआईसी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। उनका मानना है कि एलआईसी के शेयर डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहे थे जबकि PE 2 के गुणांक पर था।

क्या बोल रहे हैं एक्सपर्ट

एलआईसी के शेयरों में तेजी के पीछे के सवाल पर स्टॉक्सबॉक्स के रिसर्च एनालिस्ट श्रेयांस वी शाह कहते हैं, कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की कई वजहें हैं। दिसंबर तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में 49 प्रतिशत का इजाफा एक वजह है। इसके अलावा कंपनी को 21,741 करोड़ रुपये टैक्स रिफंड के तौर पर प्राप्त हुए हैं। इन सब वजहों ने एलआईसी के शेयरों में तेजी लाई है।

अब अनचाही कॉल से मिलेगा छुटकारा, सरकार का ये कदम दिलाएगा राहत

अब आने वाले समय में आपको अनचाही कॉल (Spam Calls) से छुटकारा मिलने वाला है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) ने कॉलर नेम प्रेजेंटेशन (CNP) की सिफारिश की है। इसमें आपको ट्रूकॉलर जैसी सुविधा मिलेगी। इस सर्विस के शुरू होने पर ग्राहक अपने फोन की...

बिजनेस डेस्क. अब आने वाले समय में आपको अनचाही कॉल (Spam Calls) से छुटकारा मिलने वाला है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) ने कॉलर नेम प्रेजेंटेशन (CNP) की सिफारिश की है।

इसमें आपको ट्रूकॉलर जैसी सुविधा मिलेगी। इस सर्विस के शुरू होने पर ग्राहक अपने फोन की स्क्रीन पर कॉलर का नाम देख सकेंगे। ट्राई ने कहा है कि सरकार को एक तय तारीख के बाद भारत में बेचे जाने वाले सभी फोन में सीएनएपी यानी कॉलर नेम प्रेजेंटेशन की सुविधा देने के लिए दूरसंचार कंपनियों को उपयुक्त निर्देश जारी करना चाहिए। मोबाइल फोन का कनेक्शन लेते समय भरे जाने वाले ग्राहक आवेदन पत्र (CAF) में दिए गए नाम और पहचान जानकारी का इस्तेमाल सीएनएपी सर्विस के दौरान किया जा सकता है।

अनचाही कॉल्स से मिलेगी राहत

अभी देश में ट्रूकॉलर, स्मार्टफोन टूल और भारत कॉलर जैसे ऐप कॉल करने वाले शख्स की पहचान की सुविधा देते हैं लेकिन ये सर्विस लोगों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। यह हमेशा विश्वसनीय नहीं होती है लेकिन कॉलर नेम प्रेजेंटेशन से लोगों को अनचाही कॉल्स से छुटकारा पाने में काफी मदद मिलेगी।

ऐसे मिलेगी सुविधा

यह सुविधा ग्राहक के अनुरोध पर ही सभी दूरसंचार कंपनियां मुहैया कराएंगी। अभी तक मोबाइल पर कॉल करने वाले शख्स का नाम लिखकर नहीं आता है। अभी सिर्फ नंबर दिखाई देता है लेकिन कॉलर नेम प्रेजेंटेशन की सुविधा के बाद कॉल करने वाले हर शख्स का नाम लोगों के मोबाइल पर दिखाई देगा। ऐसे में लोगों को अनचाही कॉल्स से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा। सीएनएपी सुविधा शुरू होने के बाद ग्राहक अपने फोन की स्क्रीन पर कॉलर का नाम देख सकेंगे। दूरसंचार नियामक ने सुझाव दिया कि सभी एक्सेस सेवा प्रदाता अपने टेलीफोन ग्राहकों को उनके अनुरोध पर सीएनएपी सेवा मुहैया कराएं। ट्राई ने नवंबर, 2022 में इस संबंध में एक परामर्श पत्र जारी कर हितधारकों, जनता और उद्योग की टिप्पणियां मांगी थीं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर अब होगा और बेहतर, RBI ने दी बड़ी राहत

बिजनेस डेस्क. पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। अब वे रेल, मेट्रो, बस, टोल, पार्किंग का पेमेंट आसानी से कर पाएंगे। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और **NBFC** को विभिन्न पब्लिक ट्रांसपोर्ट प्रणालियों के लिए भुगतान को लेकर प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (PPIs) जारी करने की अनुमति दी। पीपीआई के तहत भुगतान पहले कर दिया जाता है। इनके आने से यात्रियों के पास किराया देने के लिए नकद भुगतान के अलावा अन्य विकल्प होंगे।

आरबीआई ने एक अधिसूचना में कहा कि यह माध्यम यात्रियों को आवागमन सेवाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और तेज डिजिटल भुगतान की सुविधा देगा। अधिसूचना में कहा गया कि देश भर में सार्वजनिक परिवहन प्रणालियां हर दिन बड़ी संख्या में यात्रियों को सेवाएं देती हैं।

मास ट्रांजिट सिस्टम (पीपीआई-एमटीएस) कैसे करेगा मदद

बैंक/एनबीएफसी ऐसे पीपीआई जारी करेंगे।

पीपीआई में ट्रांजिट सर्विस, टोल और पार्किंग से संबंधित ऑटोमेटेड फेयर कलेक्शन एप्लिकेशन होगा।

पीपीआई केवल मेट्रो, बस, रेल और जलमार्ग, टोल और पार्किंग जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट के फेयर भुगतान में काम आएंगे।

पीपीआई बिना केवाईसी सत्यापन के जारी किए जा सकेंगे।

पीपीआई में फिर पैसा डाला जा सकेगा। पीपीआई में बकाया राशि किसी भी समय 3,000 रुपए से अधिक नहीं होगी।पीपीआई की स्थायी वैधता होगी।

पीपीआई में नकद निकासी, रिफंड या फंड ट्रांसफर की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीपीआई क्या हैं?PPI एक वित्तीय उपकरण है, जिसमें पहले से पैसे डाल कर रखे जा सकते हैं। इस पैसे से वस्तु और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं।

PPI के जारीकर्ता कौन हैं?

पीपीआई बैंकों और एनबीएफसी द्वारा जारी किए जाएंगे। बैंक आरबीआई से मंजूरी मिलने पर पीपीआई जारी कर सकते हैं।

PPIका धारक कौन है?

पीपीआई का धारक वह व्यक्ति होता है जो पीपीआई जारीकर्ता से पीपीआई प्राप्त/खरीदता है।

कितने तरह के PPI हैं?

अभी देश में तीन तरह के PPI हैं- सेमी क्लोज्ड सिस्टम PPI , क्लोज्ड सिस्टम PPI और ओपन सिस्टम PPI । PPI का होल्डर वह व्यक्ति होता है जो PPI issuer से PPI प्राप्त करता/खरीदता है। हालांकि gift PPI के मामले में, कोई अन्य भी होल्डर हो सकता है।

चलो मन चंपावती धाम.चलो श्री मिनी वृंदावन धाम..,सभी के पूरण होंगे काम चलो मन श्री चंपावती धाम..

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

श्री श्री 1008 श्री धुनागिर महाराज अमाला धाम की प्रेरणा श्री श्री 1008 श्री च्यवन ऋषि की तपोस्थली एवं परम पूज्य पंडित जगन्नाथ प्रसाद भक्तमाली की जन्मस्थली की परिक्रमा प्रति माह की पूर्णिमा पर गिरिराज महाराज की परिक्रमा की भांति नगर चंपावती चाँचौ?ा क्षेत्र के लोग भक्तमाल मंदिर से प्रारंभ करके बड़े गणेश मंदिर, अम्बाला धाम,बाघ बागेश्वर महादेव, भरत लाल जी का मंदिर, छान सरकार, शिव मंदिर रेलवे स्टेशन, खाटू धाम मंदिर, राजबाग हनुमान मंदिर,भाटीजी का बा? होते हुए श्री भक्तमाल मंदिर पर पूर्ण की जाती है..इस परिक्रमा में गाडरवारा शक्तिपीठ धिसाश्वर महाराज पधारे थेपरम स्नेही धर्म प्रेमी बंधुओ माताओ एवं बहनोंज्सभी के मनोरथ एवं मन वांछित फल प्राप्ति के लिए चंपावती धाम की परिक्रमा प्रति माह की पूर्णिमा को की जाती है जिसमे समस्त धर्म प्रेमी बंधु माता बहने हरि गुण गाते हुए..झूमते नाचते गुनगुनाते हुए..परिक्रमा पूर्ण करते हैं और अपने मनोरथ सिद्ध करते हैं.. तो आइये धर्म प्रेमी बंधुओ माताओ ओर बहनों हम सब मिलकर चंपावती धाम की परिक्रमा करें और पुण्य लाभ अर्जित करें अपने मानव जीवन को धन्य बनाएं.. अपने मानव जीवन को सार्थक करपरिक्रमा के लिए सभी भक्तगण प्रातः 9ः30 बजे भक्तमाल मंदिर उपस्थित होवे जहां से परिक्रमा प्रारंभ की जाती हैज

जी हां परिक्रमा प्रारंभ होने का स्थान है-भक्तमाल मंदिर समय है प्रातः साड़े9 बजे...

हत्या के मामले मे शिवपुरी पुलिस की त्वरित कार्यवाही, पुलिस थाना दिनारा द्वारा अन्धे कत्ल का चंद घण्टों मे पर्दाफाश मे कर आरोपी को किया गिरफ्तार, अवैध संबंध होने पर की थी हत्या

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-दिनांक 24.02.2024 को फरियादी दयाराम पाल पुत्र नारायण जू पाल उम्र 58 साल निवासी ग्राम बैसोरा कला थाना दिनारा जिला शिवपुरी ने घटना स्थल ग्राम बैसोरा कला पर मौखिक रिपोर्ट किया कि दिनांक 23.02.2024 को रात्री करीबन 10.00 बजे मेरा लडका संतोष पाल खाना खा पीकर घर से टहलने की कहकर निकल गया था । दिनांक 24.02.2024 को सुबह करीबन 06.00 बजे मेरे लडके चंदन का चित्रकूट से मेरे पास फोन आया कि पापा, संतोष नहर के किनारे आंगनबाडी के पीछे पड़ा है, जहां लडका संतोष नहर किनारे मृत अवस्था मे पडा था, किसी अज्ञात व्यक्ति ने गोली मारकर हत्या कर दी । उपरोक्त रिपोर्ट पर से थाना दिनारा पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 29/2024 धारा 302 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया ।घटना को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा घटना का खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये । दौराने विवेचना सभी एंगलो से जांच की गई । मुखबिरो से चर्चा की गई तो पता चला कि मृतक संतोष पाल की उसके ही रिश्तेदार से घनिष्ट मित्रता होना पता चला एवं शाम को उसी के साथ आंगनबाडी की तरफ जाना बताया । मृतक की कॉल डिटेल की जांच की गई तो उक्त व्यक्ति पर संदेह जाहिर हुआ, उक्त संदेही मनीराम पाल पुत्र स्व0 प्रहलाद पाल उम्र 22 साल निवासी चन्द्रपुरा थाना करैरा हाल ग्राम बैसोरा कला थाना दिनारा को घेरकर पकडा एवं हिकमत अमली से पूछताछ की गई पूछताछ मे पता चला कि आरोपी मनीराम पाल व मृतक संतोष पाल आपस मे रिश्तेदार थे । मृतक संतोष पाल व आरोपी मनीराम पाल के बीच अवैध संबंधों के होना पता चला । आरोपी घटना दिनांक को बार-बार अवैध संबंध बनाने हेतु दबाव बना रहा था । मृतक द्वारा आरोपी को अवैध संबंध बनाने व प्रतिदिन फोन पर अधिक बात करने के लिये मानसिक एवं शारीरिक रूप से परेशान करता था । जिससे परेशान होकर आरोपी ने मृतक संतोष पाल को 315 बोर के कट्टे से गोली मार दी जिससे मृतक संतोष पाल की मौके पर ही मृत्यु हो गयी । आरोपी से घटना मे प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । जिसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी दिनारा उनि संतोष भार्गव व उनकी टीम सउनि विनोद गौतम, सउनि विवेक भट्ट एंव सउनि सबोरन सिंह सिसौदिया एंव उनकी टीम की सरहानिय भूमिका रही है एंव उक्त प्रकरण मे त्वरित कार्यवाही करने हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला शिवपुरी थाना प्रभारी दिनारा व उनकी टीम को 5000/- के पारितोषिक से पुरूष्कृत किया गया है ।

शिवपुरी पुलिस की आर्म्स एक्ट मे कार्यवाही जारी, पुलिस थाना देहात ने पांच हजार के इनामी बदमाश को 315 बोर के देशी कट्टे व मय दो जिंदा राउण्ड के साथ किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा जिले मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिले मे होने बाली अवैध घटनाओं व गतिविधियों पर अंकुश लागाने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया जा रहा है । जिसके तारतम्य मे कार्यवाही करते हुये पुलिस थाना देहात द्वारा एक आरोपी को मय 315 बोर के देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार करने मे सफलता हांसिल की है बरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में इनामी बदमाशों की धरपकड़ का अभियान चलाया जा रहा है जिस क्रम में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह, श्रीमान अति) पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी, श्रीमान सीएसपी महोदय अनुभाग शिवपुरी के मार्गनिर्देशन में टीम गठित की गई जिसमे निरीक्षक विकास यादव थाना प्रभारी देहात की टीम को दिनांक 24.02.24 को मुखविर सूचना मिली कि आंगनवाडी केन्द्र के पास गौशाला शिवपुरी में एक व्यक्ति कमर में हथियार लगाये हुऐ गम्भीर वारदात करने की नियत से घूम रहा है सूचना पर से पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति को पकड़ा उसने अपना नाम मूसा खान पुत्र किशन खान उम्र 42 साल नि. गौशाला शिवपुरी का होना बताया उसकी बदन की तलाशी ली गई तो उसकी दाहिनी तरफ कमर में पेन्ट के नीचे की तरफ एक 315 बोर का एक देशी कट्टा खुरसे मिला जिसे निकालकर चैक किया तो उसकी बैरल में एक जिन्दा राउण्ड मिला बाद उक्त व्यक्ति की तलाशी ली तो उसकी पेन्ट की दाहिनी जेव में एक जिन्दा राउण्ड मिला मूसा खान से कट्टा अपने पास रखने व लाने ले जाने के संबंध में लायसेंस माँगा तो उसने अपने पास कोई लायसेंस नहीं होना बताया तब मूसा खान का यह कृत्य धारा 25.27 आर्म्स एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से आरोपी मूसा खान के कब्जे से उक्त 315 बोर का एक देशी कट्टा व दो जिन्दा राउण्ड जप्त कर आरोपी मूसा खान को गिरफ्तार कर प्रकरण धारा 25.27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त आरोपी का थाना एवं डीसीबी शाखा से आपराधिक रिकोर्ड चैक कराया गया तो उक्त आरोपी पर थाना बरगवां जिला श्योपुर के अपराध क्रमांक 111/22 धारा 392 भादवि, 11/13 एमपीडीपीके एक्ट में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा 5000 रुपये का इनाम घोषित होना पाया गया है। उक्त कार्य में निरीक्षक विकास यादव, प्रआर 570 विनय कुमार, प्र.आर. 374 गजेन्द्र सिंह परिहार, आर. 61 शिवम कुशवाह व आर चालक 259 शरद यादव की मुख्य भूमिका रही

रविदास जयंती पर गोष्ठी का आयोजन

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

विजयश्री जनकल्याण परिषद नवांकुर संस्था मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सेक्टर मृगवास द्वारा मृगवास में शिरोमणि संत रविदास की जयंती पर बौद्धिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। वंदना व्यास सचिव नवांकुर संस्था विजयश्री जनकल्याण परिषद ने बताया कि गोष्टी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी और ग्राम के युवा शामिल हुए, भंवर लाल लोधा अध्यक्ष ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कडैया खुर्द ने बताया की सनातन धर्म में प्राचीन काल से ही समरसता कायम थी, और आज भी है, चित्तौड़ की महारानी शिरोमणि संत मीराबाई ने संत रविदास को अपना आध्यात्मिक गुरु बनाया था, आज हमें संत रविदास के शिक्षाओं और उनके बताए हुए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

आमोलपठा किट्टरे के मंदिर के पास खड़ी ट्रॉली को ले गए चोर

नवागत चौकी प्रभारी के कार्यकाल में चोरों ने दिया ट्रॉली चोरी को अंजाम

पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार पत्रकार करैरा

आमोलपठा शिवपुरी जिले के करैरा अनुविभाग के अन्तर्गत अमोला थाना की आमोलपठा पुलिस चौकी के ग्राम पंचायत आमोलपठा में बीती रात चोर किट्टरे के मंदिर के पास से खड़ी ट्रॉली को अज्ञात चोर चुराकर ले गए। आमोलपठा में चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। कुछ समय पहले तो आमोलपठा पुलिस गश्त करतीं नजर आती थी लेकिन अब पुलिस सोती नजर आ रहीं हैं। तीन बर्ष पूर्व थरखेडा निवासी सुरेन्द्र कुमार झा की ट्रॉली चोरी हुई थी नरवर में लगें एक सीसीटीबी कैमरे में चोर एक महिंद्रा ट्रैक्टर से ट्रॉली को खींचते कैद हुऐ थे। और पुलिस मामले में जांच के उपरांत टैक्टर को जप्त कर लिया था। बही पुलिस ने चोरो को भी गिरफ्तार कर दो दिन तक बिठाकर बाद पुलिस लेन देन करके छोड़ दियें थे लेकिन आज तक पुलिस कोई ऐसे चोरी जैसी घटनाओ पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। पुलिस ही चोरों को संरक्षण दे रही है। ऐसा ही एक और चोरी का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक आमोलपठा निवासी राजेश सोनी किट्टरे के मंदिर के पास से बीती रात उसकी ट्रॉली अज्ञात चोर आधी रात को चोरी करके ले गए जबकि ट्रैक्टर मौके पर ही खड़ा रहे गया। जब सुबह राजेश सोनी किसी काम के लिए अपनी टैक्टर ट्रॉली लेकर कहीं जा रहा था तो उसको ट्रॉली मौके पर नहीं मिली और टैक्टर ही मौके पर खंडा मिला। ट्रॉली मौके पर नहीं मिली। तो उसने पुलिस को इस बात सूचना दी है। पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू तो करदी लेकिन अब पता नहीं है कि पुलिस ट्रॉलीयो का सुराग लगा पायेगी या फिर ठंडे बस्ते में पड जायेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में भी भ्रष्टाचार का वास: माकपा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर- प्रधानमंत्री आवास योजना का बखान प्रधानमंत्री से लेकर भाजपा का हर नेता करता है, लेकिन केन्द्र सरकार की अपनी ही संस्था कैग (सीएजी) के अनुसार मध्यप्रदेश में इस योजना में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है और पात्रों को दरकिनार कर अपने अपात्रो को उपकृत किया गया है. कैग की रिपोर्ट इसी साल 8 फरवरी को विधानसभा में प्रस्तुत की गयी थी. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने उक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि रिपोर्ट के अनुसार इस गलत आवंटन में भाजपा का दलित आदिवासी विरोधी मनुवादी चेहरा भी बेनक़ाब हुआ है. इस योजना में दलितों आदिवासियो और अल्पसंख्यको को प्राथमिकता देने की बात की गई है, मगर कैग की टीम ने जिन 60 ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया है उसमें 18935 लाभार्थियों में से 8226 मामलों मे अनुसूचित जाति और जनजाति के पात्रों को दरकिनार कर अन्य लोगों को आवास आवंटित कर दिया गया, जो कुल लाभार्थियों के 43 फीसद से अधिक है. माकपा नेता ने कहा है कि इस योजना में यह भी शर्त है कि आवेदकों के पास दो पहिया वाहन या मछली पकड़ने वाली किश्ती नहीं होनी चाहिए जबकि 2037 लाभार्थियों के पास दो पहिया वाहन से लेकर चार पहिया वाहन हैं. सरकार इन अपात्रो पर इतना फिदा है कि इनमें से 1555 को 15 करोड़ 66 लाख रुपए सहायता राशि भी आवंटित कर दी गई है. जसविंदर सिंह ने कहा है कि भ्रष्टाचार और अपनों को उपकृत करने का आलम यह है कि 64 मामलों में एक ही व्यक्ति को दो बार आवास आवंटित कर दिया गया, जबकि 98 मामलों मे परिवार के मुखिया को आवास आवंटित करने के बाद उनके परिवार के दूसरे सदस्य को आवास आवंटित कर दिया गया.

माकपा नेता ने कहा है कि 90 मामले तो ऐसे हैं, जिनमें लाभार्थी बालिग भी नहीं हैंद्य अब जिन्हें आवेदन करने की भी पात्रता नहीं थी और उन्हें पात्र करार दे कर आवास भी आवंटित कर दिया गया है तो जाहिर सी बात है कि इसमें भ्रष्टाचार और भाईभतीजावाद दोनों शामिल हैं. जसविंदर सिंह ने कहा है कि भाजपा भले ही इस योजना की सफ़लता का बखान करते हुए न थकती हो, मगर कैग की रिपोर्ट के अनुसार 2016 से 2021 के बीच इस योजना के लिए 24723 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं जबकि सिर्फ 33 फीसद लाभार्थियों को ही समय पर किश्त मिली है.

ग्राम पंचायत आमोलपठा में पच्चीस साल पुरानी पानी की टंकी की मरम्मत कर नई में तब्दील

ठेकेदार द्वारा सरकार को लाखों रूपए की चपत लगाकर, पाइप लाइन में भी घटिया निर्माण कार्य

पुष्पांजलि टुडे%से सतीश परिहार पत्रकार करैरा
शिवपुरी जिले के करैरा

अनुविभाग के अन्तर्गत ग्राम पंचायत आमोलपठा में गांव-गाव हर घर में जल जीवन मिशन योजना चल रही है। लेकिन ठेकेदार धांधली करने में जुटा हुआ है। प्रतेक पंचायतों में गांव-गाव तक जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत नया निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन यहां बात करें तो ग्राम पंचायत आमोलपठा में पच्चीस साल पुरानी गढी पर बनीं पानी की टंकी की मरम्मत कराकर एवं रंग रोगन कर उसे जल जीवन मिशन योजना का नया निर्माण कार्य का नाम दे दिया गया।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि बहीं पुरानी पाइप लाइन कई बर्षो से खराब पड़ी थी उस पाइप लाइन को ठेकेदार द्वारा निकालकर बेंच दी गई है। और नई पाइप लाइन का कार्य जो किया जा रहा है उसमें गुणवत्ताविहीन एवं घटिया मटेरियल का उपयोग कर रहा है।

ठेकेदार की दादागिरी सामने दिख रही है। शासन को लाखों रूपए की चपत लागाई जा रही है जिस पर कार्यवाही करने बाला कोई नजर नहीं आ रहा है ठेकेदार एक राजनीतिक पार्टी से जु?ा हुआ व्यक्ति है इसलिए आला अधिकारी कार्यवाही करने से मूह मोड रहें हैं।

इनका कहना

हा सही बात है। पंच्चीस साल पूर्व में बनीं थीं पानी की टंकी जो ठेकेदार द्वारा उसकी मरम्मत करवा दी। और पुताई भी करदीं गई है। गांव में कई बर्षों पुरानी पाइप लाइन खराब पड़ी थी उसे भी खोदकर बेंच दी।

कमलेश शर्मा निवासी आमोलपठा

एक बर्ष से चल रहा नल जल योजना का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ न कोई बोर्ड लगाया गया कितनी लागत की नल जल योजना अभी तक कोई पता नहीं चल रहा है।

रमेश साहू ग्रामीण आमोलपठा

ठेकेदार द्वारा जो निमार्ण कार्य कराया जा रहा है बो बिलकुल घटिया मटेरियल का उपयोग किया गया है इसमें उसको लाखों रूपए की बचत हुई होगी। क्योंकि पानी की टंकी बनी मिल गई केवल थोड़ी सी ही मरम्मत करनी पडी।

मार्च महीने से रीवा से उड़ान भरेगी हवाई जहाज 10 मार्च से पहले सभी कार्य पूरा करने का उप मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश

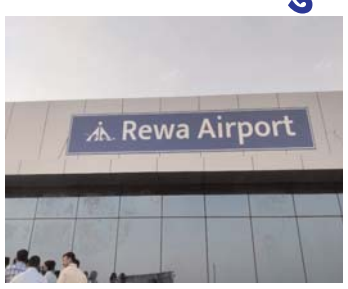

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।

गत दिवस उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट में जारी निर्माण कार्य निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च माह से विन्ध्य के निवासियों को हवाई सेवा की सुविधा देने का लक्ष्य रखा गया है। रीवा एयरपोर्ट के निर्माण का शेष कार्य 10 मार्च तक हरहाल पूरा करायें। हवाई सेवा सुविधा मिल जाने से आवागमन सुगम होने के साथ चिकित्सा, पर्यटन तथा औद्योगिक विकास में तेजी आयेगी। रीवा और उसके आसपास उद्योगों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश होगा। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर मिलेगें। एयरपोर्ट शुरू हो जाने से विन्ध्य के विकास में तेजी आयेगी। रीवा एयरपोर्ट का निर्माण हम सब के लिए बड़े गौरव की बात है। उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रनवे, एयर ट्रैफिककंट्रोल टावर निर्माण तथा टर्मिनल भवन का निरीक्षण किया। टर्मिनल भवन का निर्माण पूरा हो गया है। इसकी साज-सज्जा की जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने मुख्य मार्ग से एयरपोर्ट तक की सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सौरभ सोनवणे तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

हल्द्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की बेगम साफिया पर कसा शिकंजा, जमीन से जुड़े रिकॉर्ड खंगालने लगी पुलिस

हल्द्वानी. हल्द्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की बेगम साफिया की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर सरकारी भूमि पर कब्जा करने और उसे खुर्द-बुर्द करने की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। इस मामले में वनभूलपुरा हिंसा के मास्टरमाइंड बताए जा रहे वांछित आरोपी अब्दुल मलिक के साथ-साथ उसकी पत्नी साफिया मलिक को भी नामजद किया है।

इसके बाद से पुलिस ने मामले की गहराई से तफ्तीश शुरू कर दी है। आरोपी दंपति की संपत्ति के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। बता दें कि वनभूलपुरा हिंसा के बाद से जहां अब्दुल मलिक फरार चल रहा है, वहीं उसकी पत्नी साफिया भी घर पर नहीं है।

मलिक और उसकी पत्नी साफिया के खिलाफ गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया था। इन दोनों के अलावा मामले में चार अन्य लोग भी नामजद किए गए हैं। इस मामले की जांच कोतवाली के एसएसआई महेंद्र प्रसाद को दी है। मृत व्यक्ति के नाम से फर्जी दस्तावेज लगाकर मलिक का बगीचा पर कब्जा करने और उसी मृत व्यक्ति के नाम से बने दस्तावेजों के साथ कोर्ट में याचिका दाखिल करने के आरोपों की जांच की जा रही है। मामले में मलिक की संलिप्तता ने पुलिस की गंभीरता को और भी बढ़ा दिया है। पुलिस अब साफिया मलिक की अन्य संपत्तियों की भी जांच शुरू कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, यह अंदेशा जताया जा रहा है कि मलिक बेनामी तरीके से पत्नी के नाम पर भी संपत्ति एकत्र कर सकता है। इस पहलू को लेकर भी जांच की जा रही है। इसके साथ ही मलिक की पत्नी का रिकॉर्ड भी खंगाला जा सकता है। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत की फिर बढ़ेगी मुश्किलें, करोड़ों की नगदी मिलने के बाद ईडी 29 फरवरी को करेगी पूछताछ

देहरादून. पाखरो टाइगर सफारी घपले को लेकर की गई छापेमारी के दौरान मिली 1.10 करोड़ की नगदी, 80 लाख के गहने और करोड़ों की प्रॉपर्टी के दस्तावेजों की जांच के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामले से जुड़े लोगों को तलब करना शुरू कर दिया है।

इस क्रम में ईडी ने पूर्व काबीना मंत्री हरक सिंह को परिवार समेत 29 फरवरी को अपने दफ्तर बुलाया है। ईडी ने हरक की करीबी लक्ष्मी राणा को 27 फरवरी को और आईएफएस अफसर सुशांत पटनायक को 28 फरवरी को अपने कार्यालय में तलब किया है। मालूम हो ईडी ने गत सात फरवरी को उत्तराखंड समेत तीन राज्यों में एक साथ छापे मारे थे।

विदशा एयरपाट जसा चमकता दिखगा लखनऊ का नया टर्मिनल, फोटो तेजी से वायरल

लखनऊ एयरपोर्ट का नया टर्मिनल विदेशी एयरपोर्ट जैसा चमकता दिखेगा। इसमें चमकता हुआ विशालकाय डिपार्चर हॉल दिखाई पड रहा है। साथ ही सुरक्षा जांच के काउंटरों की लम्बी शृंखला दूर तक दिखाई पड़ रही है।

लखनऊ. लखनऊ एयरपोर्ट का नए तीसरे टर्मिनल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इसमें चमकता हुआ विशालकाय डिपार्चर हॉल दिखाई पड़ रहा है। साथ ही सुरक्षा जांच के काउंटरों की लम्बी शृंखला दूर तक दिखाई पड़ रही है।

नए टर्मिनल का उद्घाटन इसी माह के अंत तक करने की तैयारी है। नए टर्मिनल की शुरुआती लागत 1400 करोड़ रुपये थी जो अब बढ़कर 3900 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट की तरह इसे तैयार किया जा रहा है। नए टर्मिनल का निर्माण 2023 के मार्च तक पूरा होना था लेकिन कोविड के कारण शुरुआती दौर में श्रमिकों की कमी से कार्य में देरी हो गई। इसके बाद कार्य भी धीमा रहा। रक्षामंत्री और लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह के यह ड्रीम प्रोजेक्ट में शुमार है। सूत्रों के अनुसार हाल ही में शासन ने एयरपोर्ट प्रबंधन संभाल रही निजी कंपनी से पूछा था कि परियोजना में देरी क्यों हो रही है। इसके बाद कार्य में तेजी आई है।

बस से टर्मिनल तक आने का चक्कर होगा खत्म

नए टर्मिनल पर 14 एयरोब्रिज लगाए जा रहे हैं। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार उद्घाटन तक एयरोब्रिज लगने की उम्मीदें कम हैं लेकिन कुछ माह बाद सभी इंस्टॉल कर दिए जाएंगे। ऐसे में विमान से टर्मिनल और टर्मिनल से विमान तक जाने के लिए यात्रियों को बस से नहीं जाना पड़ेगा। टर्मिनल से सीधे कॉरिडोर में टहलते हुए विमान के भीतर प्रवेश कर सकेंगे। फिलवक्त एयरपोर्ट पर कुल 2 एयरोब्रिज हैं।

बाढ़ सुखाड़ से लड़ने को बिहार के इस प्रोजेक्ट को मिला वर्ल्ड बैंक से 3090 करोड़ लोन

बिहार एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन परियोजना को 4415 करोड़ की अनुमानित लागत पर छह वर्षों में करने का प्रस्ताव है। इस परियोजना के लिए विश्व बैंक से 70 फीसदी राशि ऋण के रूप में मिलेगी।

पटना. बिहार की जल प्रबंधन योजनाओं के लिए विश्व बैंक से सहायता मिलेगी। केन्द्र के वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने विश्व बैंक से सहायता के प्रस्ताव पर सहमति प्रदान कर दी है। बिहार एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन परियोजना के लिए विश्व बैंक 3090 करोड़ रुपये की मदद देगा। यह राशि ऋण के रूप में बिहार को मिलेगी। इससे राज्य की जनता को बाढ़ और सुखाड़ की समस्या से निपटने में बहुत हद तक सहुलियत मिलेगी। दरअसल, बिहार एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन परियोजना को 4415 करोड़ की अनुमानित लागत पर छह वर्षों में करने का प्रस्ताव है। इनमें विश्व बैंक से 70 फीसदी राशि ऋण के रूप में मिलेगी। इसके तहत उसे विश्व बैंक से 3090.50 करोड़ मिलेंगे। बिहार सरकार 30 फीसदी राशि 1324.50 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इस योजना से राज्य के जल जीवन हरियाली अभियान एवं हर खेत तक सिंचाई का पानी निश्चय के उद्देश्यों को पूरा किया जा सकेगा। इस परियोजना के तहत विभाग के अर्ली वार्निंग सिस्टम को और अत्याधुनिक बनाने का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्राथमिकता में परियोजना

परियोजना को मंजूरी मिलने से दशकों से लंबित पश्चिम कोसी नहर परियोजना को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही बिहार के दशकों पुराने बड़े बराजों की मजबूती का अध्ययन कर उनका दीर्घकाल के लिए पुनर्स्थापन भी कराया जाएगा। पूर्व जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने वित्त मंत्रालय की स्वीकृति पर प्रसन्नता जाहिर की। कहा कि इसमें राज्य में उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करते हुए बाढ़ के जोखिम को कम करने और बड़े पैमाने पर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता के सृजन में मदद मिलेगी। बिहार में बाढ़ एवं सुखाड़ के प्रभाव को कम करना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शीर्ष प्राथमिकता रही है। इसके लिए तत्कालीन वित्त मंत्री विजय चौधरी ने व्यक्तिगत रुचि लेकर परियोजना को अंतिम रूप देने में सहयोग किया था।

रियोजना में खास क्या

इस परियोजना में बिहार के अंदर की नदियों को जोड़ने की कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भी शामिल किया गया है। प्रमुख नदियों के अधिशेष जल को दूसरी नदियों में नियंत्रित रूप से भेजने से जहां बड़े इलाके में बाढ़ का प्रभाव कम होगा, वहीं सिंचाई सुविधाओं का भी व्यापक विस्तार होगा।

इसके अलावा गंगा, गंडक, कोसी, महानंदा, बूढ़ी गंडक, कमला, बागमती आदि नदियों के तटबंधों को कटाव से बचाने के लिए संवेदनशील स्थलों पर नई तकनीक से सुरक्षात्मक कार्य कराये जाएंगे।

श्रीनगर में मारा गया आतंक का पर्याय बना गुलदार, 8 लोगों को कर चुका था जख्मी

श्रीनगर. श्रीनगर के विकासखंड कीर्तिनगर में आतंक का पर्याय बना गुलदार आखिरकार वन विभाग की गोली का शिकार हो गया है। वन विभाग की टीम ने करीब 1बजकर 10 मिनट पर मलेथा के समीप रेलवे के मलबा डंपिंग जोन के पास मार गिराया। शुक्रवार करीब साढ़े नौ बजे के करीब गुलदार पहले मलेथा के पास पेट्रोल पंप पर देखा गया। उसके बाद वह एक होटल के अंदर जा घुसा, जिसके बाद वहां बच्चों की चीख पुकार शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक गुलदार अंदर ही कैद रहा।

ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग और क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद वन विभाग की टीम एक घंटे तक गुलदार को पकड़ने के लिए डटी रही। जैसे ही वन विभाग की टीम गुलदार का रेस्क्यू कर ही रही थे तभी गुलदार दो वन विभाग के कर्मियों को जख्मी कर वहां से भाग निकलने में सफल रहा। घायलों को बेस चिकित्सालय ले जाया गया, जिसके बाद वन कर्मियों ने गुलदार को ट्रेक्यूलाइज करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाये। दोपहर 1बजकर 10 मिनट पर वन विभाग की टीम ने मलेथा के पास सर्च आपरेशन चलाकर रेलवे के डंपिंग जोन के समीप गुलदार को ढेर कर दिया। गुलदार को वन विभाग के डांगचौरा रेंज ले जाया गया है।

अब तक मिली जानकारी के अनुसार, मारा गया गुलदार 8 लोगों को घायल कर चुका था। 8 लोगों के घायल करने के बाद वन विभाग हरकत में आया और गुलदार को पकड़ने की कोशिश शुरू कर दिया था। अब उसको मार गिराया गया है। गुलदार द्वारा ज्यादातर गांव के खेतों में काम कर रही महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा था। महिलाओं को घायल होने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने कार्रवाई शुरू की थी। अब उसे वन विभाग की टीम द्वारा एक डंपिंग जोन में शूट कर मार गिराया गया है।

साहसी युवाओं को नीतीश सरकार की सौगात, बिहार लघु उद्यमी योजना में 50 हजार का चयन

जातीय गणना में चिह्नित 94 लाख गरीब परिवार को अगले पांच वर्ष में लघु उद्यमी योजना का लाभ दिया जाना है। 5 से 20 फरवरी तक पोर्टल पर 2 लाख से ज्यादा आवेदन आए थे। नौकरी खोजने वाले अब दूसरों को नौकरी देंगे।

पटना. बिहार लघु उद्यमी योजना में 50 हजार लाभार्थियों का चयन किया गया है। उद्योग विभाग के सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में कम्प्यूटरीकृत रेंडमाइजेशन प्रणाली से उप मुख्यमंत्री सह उद्योग मंत्री सम्राट चौधरी की मौजूदगी में लाभार्थियों को चयनित किया गया।जातीय गणना में चिह्नित 94 लाख गरीब परिवार को अगले पांच वर्ष में लघु उद्यमी योजना का लाभ दिया जाना है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अनुसूचित जाति वर्ग के 12,568, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 936, अति पिछड़ा वर्ग के 17,730, पिछड़ा वर्ग के 13,038 एवं सामान्य वर्ग के 5,728 आवेदकों का चयन किया गया। 5 से 20 फरवरी तक पोर्टल पर 2 लाख से ज्यादा आवेदन आए थे। सम्राट चौधरी ने कहा कि 2005 से अब तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगभग 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। बिहार को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बिहार बनाना है। बड़े व छोटे दोनों तरह के उद्योग भी लगाएंगे।

सीएम ने किया एक्सपो का उद्घाटन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को बिहार इंडस्ट्री एसोसिएशन तथा द कनफेडरेशन ऑफ रियल स्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीआरईडीएआई) द्वारा गांधी मैदान में आयोजित 'डेस्टिनेशन बिहार- एक्सपो 2024' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं बैलून उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने औद्योगिक प्रदर्शनी में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों तथा राज्य के विभिन्न विभागों एवं उनके उपक्रमों द्वारा स्थापित स्टॉलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पाद एवं उसके कार्यों के संबंध में उन्होंने जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौंड्रिक, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष केपीएस केसरी, एक्सपो आयोजन समिति के अध्यक्ष राम लाल खेतान, एक्सपो आयोजन समिति के उपाध्यक्ष आशीष रोहतगी, नरेन्द्र कुमार, महासचिव गौरव साह, पूर्व कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी, पटना के जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा मौजूद थे।

केके पाठक के विभाग का यह कैसा हाल? बिहार के 58 लाख बच्चों ने बीच में ही छोड़ दी पढ़ाई

मुजफ्फरपुर. बिहार के 58 लाख बच्चों ने बीच में ही कक्षा छोड़ दी। सूबे में पहली से 12वी तक के ये बच्चे ऐसे हैं, जो पिछले साल तक स्कूलों में थे। यू-डायस 2023-24 को लेकर मुजफ्फरपुर समेत राज्य के विभिन्न जिलों के आंकड़ों से यह सामने आया है। 20 फरवरी तक की रिपोर्ट की समीक्षा की गई है। शिक्षा विभाग इसे लेकर चिंतित है कि बच्चे बीच में अपनी पढ़ाई क्यों छोड़ रहे हैं। विभाग अपने अधिकारियों पर कार्रवाई भी कर रहा है। बच्चों के अगली कक्षा में प्रमोशन से लेकर नए नामांकन को लेकर यू-डायस में बच्चों का आंकड़ा देना है। पहले केवल संख्या दी जाती थी, लेकिन अब नाम, पते के साथ बच्चे का पूरा रिकार्ड देना होता है। एक बच्चे का दोहरा नामांकन नहीं हो, बच्चों के नाम पर सरकारी योजनाओं की गड़बड़ी नहीं हो, इसे लेकर एक-एक बच्चे की आईडी के साथ रिकार्ड देना है। पिछले साल तक सूबे में 2,44,77,511 बच्चे नामांकित थे। 58 लाख बच्चे इनमें ऐसे है, जिन्होंने इस सत्र में पढ़ाई शुरू नहीं की। यही नहीं, सूबे में नामांकित बच्चों में अभी भी 53 फीसदी का ही आंकड़ा यू-डायस पर दिया गया है। बिहार शिक्षा परियोजना की प्रशासी पदाधिकारी शाहजहां ने बच्चों के वर्गवार अपडेशन को लेकर 29 तक का अल्टीमेटम दिया है। इसे लेकर 38 जिलों के डीपीओ सर्व शिक्षा अभियान से लेकर एमआईएस का वेतन बंद करने की कार्रवाई शुरू की गई है।

ताजा रिपोर्ट के अनुसार 58 लाख बच्चे इनमें ऐसे है, जिन्होंने इस सत्र में पढाई शुरू नहीं की। यही नहीं, राज्य भर में नामांकित बच्चों में अभी भी 53 फीसदी का ही आंकडा यू-डायस पर दिया गया है।

यू-डायस पोर्टल पर सूबे में एक करोड़ 30 लाख बच्चों की ही इंट्री

सूबे में एक करोड़ 30 लाख बच्चों की ही इंट्री यू-डायस पोर्टल पर है। विभाग के निर्देशानुसार जिन बच्चों की इंट्री यू-डायस पर होगी, उन्हें ही सभी तरह की सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। मुजफ्फरपुर में पिछले साल नामांकित बच्चों की रिपोर्ट 10,63,929 की दी गई है, जिनमें 1,51,935 बच्चों की इस साल शुरूआत नहीं करने की रिपोर्ट दी गई है। इसके अलावा जिले में अब तक 6,87,985 बच्चों की इंट्री यू-डायस पर हुई है। सबसे कम इंट्री शिवहर में 18 फीसदी, लखीसराय में 20, पू. चम्पारण में 23 फीसदी इंट्री हुई है। सीतामढ़ी में 34 फीसदी, प.चम्पारण में 35 फीसदी इंट्री हुई है।

नेपालगंज से दिल्ली-लखनऊ के लिए सीधी रोडवेज बसें, सरहद पार आसान होगी यात्रा

लखनऊ. भारत-नेपाल के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए एक और बढ़ा कदम उठाया गया है। अब दिल्ली व लखनऊ से सीधे परिवहन निगम की बसें सरहद पार नेपालगंज तक फर्राटा भरेंगी। गुरुवार को रुपईडीहा डिपो से बसों के संचालन की शुरुआत कर दी गई। नेपाल से हर क्षेत्र में रिश्तों को प्रगाढ़ करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। अब बड़े पैमाने पर भारत आने वाले कामगारों को सहूलित पहुंचाने के लिए नेपालगंज तक परिवहन निगम की बसों के संचालन का फैसला किया गया है। 10 बसों की परमिट दोनों देशों के आम सहमति पर जारी किया गया है। इसके तहत देश की दिल्ली व लखनऊ तक सीधे बस सेवा को नेपालगंज से जोड़ा गया है।

सीधी बस सेवा संचालन से नेपाली नागरिकों को दौड़भाग से राहत मिलेगी। गुरुवार को नानपारा के विधायक राम निवास वर्मा, नगर पंचायत रुपईडीहा के चेयरमैन डॉ. उमाशंकर वैश्य व ब्लॉक प्रमुख जयप्रकाश सिंह ने संयुक्त रूप से बसों को हरी झंडी दिखाकर बार्डर पार नेपालगंज के लिए रवाना किया।

नेपालगंज के लिए 15 बसों को मिली परमिट

समझौते के आधार पर परिवहन निगम को 15 बसों के नेपालगंज तक संचालन के लिए परमिट जारी किया गया। नई बसों के न आने तक विभिन्न डिपो से आने वाली बसों को ही नेपालगंज तक भेजा जाएगा। हालांकि शुरुआत में 10 बसों का संचालन शुरू किया गया है।

अयोध्या व वाराणसी तक की सुविधा

अयोध्या में दिव्य व भव्य राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद वहां दर्शन के लिए भारी संख्या में नेपाल के भी रामभक्त पहुंच रहे हैं। इसको देखते हुए रुपईडीहा से वाराणसी के लिए तीन अतिरिक्त रोडवेज बसों का संचालन शुरू किया गया है, जो अयोध्या होकर वाराणसी तक जाएंगी।

रुपईडीहा एआरएम राम प्रसाद ने बताया कि दोनों देशों के समझौते के आधार पर 15 बसों की परमिट जारी हुई है। 10 बसों का संचालन नेपालगंज से शुरू हो गया है। इससे दोनों देशों के नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

समाज को स्वस्थ एवं जागरूक करना हम सबका प्रथम कर्तव्य :डॉ अशोक मुदगल

डॉ मुदगल्स स्पर्श हॉस्पिटल पर विशाल निःशुल्क डायबिटीज, हृदय, नेत्र रोग एवं किडनी रोग जांच शिविर शिविर सम्पन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दीनदयाल नगर स्थित डॉ मुदगल्स स्पर्श हॉस्पिटल पर एक विशाल निःशुल्क डाएबीटीज, हृदय रोग, नेत्र रोग, किडनी रोग स्वास्थ जांच एवं जांच शिविर का भव्य आयोजन किया गया ! शिविर में में वेदांता हॉस्पिटल दिल्ली के पूर्व चिकित्सक डॉ अनवेश परमार किडनी रोग विशेषज्ञ , हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ आशीष चौहान ड़ी, सामान्य रोग एवं पेट रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रताप सिंह चौहान, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पवन सोनी द्वारा अपनी सेवाएं दीं शिविर में पेथलॉजी जांचे इ सी ड़ी के जांच एवं एक्सरे अल्ट्रासाउंड पर विशेष छूट दीं गयी !शिविर में मुख्य अथिति के रूप में वार्ड 18 पार्षद श्रीमती रेखा त्रिपाठी ड़ी उपस्थित थी एवं विशेष अथिति के रोऊ में पूर्व मण्डल अध्यक्ष श्री रामप्रकाश परमार ड़ी , स्पर्श हॉस्पिटल की सी ई ओ डॉ अशोक मुदगल ड़ी डायरेक्टर स्पर्श हॉस्पिटल डॉ विश्वास मुदगल डॉ सुकीर्ति दीक्षित मुदगल ड़ी डॉ प्रशांत मुदगल ड़ी डॉ स्वाति मुदगल ड़ी श्री सलव श्रीवास्तव श्री अच्छेद्र सिंह कुशवाह ड़ी श्री श्याम भटेले ड़ी श्री देवेंद्र शर्मा ड़ी, विशेष रूप से उपस्तित रहेंगे...

शिविर के माध्यम से स्पर्श हॉस्पिटल की टीम द्वारा 167 लोगों का स्वास्थ परिक्षण किया गया शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला जिसमे सभी प्रकार के मरीड़ों का इलाज किया गया

शिविर को सफल बनाने स्पर्श हॉस्पिटल की टीम डॉ वर्षा राजपूत, डॉ शुवम शर्मा उमाशंकर वैशानदर तोमर ड़ी स्वेता गुप्ता संदीप ब्रजेश जी डी ए स्टाफ नर्सिंग स्टॉफ एवं समस्त टीम का मुख्य योगदान रहा

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित शिविर में हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ

महेन्द्र शर्मा उप संपादक पुस्पंजली टुडे

ग्वालियर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत वार्ड 17 में आरामिल रोड पर शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि पिछले पांच वर्ष में उपनगर ग्वालियर का चहुमुखी विकास हुआ है। नौनिहालों को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए सीएम राइस स्कूल के साथ स्मार्ट स्कूल बन रहे हैं। घर के नजदीक ही बेहतर उपचार मिले इसके लिए वार्डो में संजीवनी क्लीनिक खोली जा रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई और हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। शिविर में मंडल अध्यक्ष श्री योगेंद्र तोमर,श्री ब्रजमोहन शर्मा, श्री सुरेन्द्र चौहान एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहित बडी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

शिविर के नोडल अधिकारी ने बताया कि नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 5 के अंतर्गत वार्ड नंबर 27 में आरामिल रोड पर आयोजित शिविर में 5423 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह शिविर आगे भी इसी प्रकार आयोजित होते रहेंगे।

श्वान एनिमल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करते हुए सफलतापूर्वक चार वर्ष पूर्ण

करने के उपलक्ष्य में 26 फरवरी सोमवार को जिंसी नाला नबर 2 स्थित चौराहे के पास एक होटल में दोपहर 1बजे से ग्वालियर शहर की विभूतियों का सम्मान करने जा रही ह संस्था संचालक नम्रता सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया

बाबा बर्फानी समिति के सदस्य भण्डारे की परमिशन लेने जम्मू कश्मीर रवाना

ग्वालियर। श्री बाबा बर्फानी हर हर महादेव सेवा समिति ग्वालियर के सदस्य जबलपुर निजामुद्दीन से रवाना हुए। 2024 अमरनाथ यात्रा मार्ग मनीग्राम बैस कैंप के आगे बालटाल बैस कैंप में लगाने तैयारी शुरू की गई है।

संरक्षक महेंद्र भदकारिया ने बताया कि इसके लिये एक पांच सदस्यों का दल श्राईन बोर्ड जम्मू कश्मीर रवाना हो गया है, जो वहां पर परमिशन के लिये अधिकारियों से मिलकर चर्चा करेंगे। रवाना होने वाली टीम में उपाध्यक्ष श्याम लहरिया, सुनील बिरला, कोषाध्यक्ष भरत कुमार ढींगरा, बृज कटारिया, दिलीप सिंह यादव, संजय सिंघल है। यह सदस्य दिल्ली से रात जम्मू कश्मीर के लिये रवाना हुए, क्योंकि जल्द ही यात्रा की तारीख आने वाली है। तैयारिया जोरों से चल रही है। यह सभी सेवादार 29 फरवरी को ग्वालियर वापस आयेंगे। यह जानकारी अध्यक्ष लोकेश शर्मा सचिव पत्रालाल गौ? ने दी।

बकरा कट बूचड़खाने में बदबू व गंदगी के चलते भिण्ड कलेक्टर की शक्ति।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भेजकर दुकानदारों को थमाए नोटिस,कराई सफाई

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। नगर के बीचो-बीच खटीक मोहल्ला वार्ड क्रमांक 4 और 5 में बकरा काटने का बूचड़खाना बना हुआ है एवं उसी के बगल से मीट की छोटी-छोटी दुकानें बनी हुई है। जहां रोजाना बकरों को काटकर खुले में बेचा जाता है। 25 फरवरी रविवार को मुस्लिम त्यौहार सब ए बारात होने के चलते यहां बड़ी तादात में बकरे काटे गए एवं इनका मीट खुले में दुकानें लगाकर रोड के किनारे बेचा गया, बकरा कट बूचड़खाने में कोई सफाई की व्यवस्था नहीं की गई, नाही दुकानदारों ने मीट को टककर रखा, पूरे इलाके में बदबू फैली हुई थी। यहां के आसपास के निवासियों का इससे जीना दुश्वार हो रहा था। यहां बिकने वाला मीट बगैर ढके गंदगी के साथ बेचा जा रहा था एवं बूचड़खाने में गंदगी की 4 से 6 इंची मोटी परत जमी हुई थी। जिसकी जानकारी भिण्ड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को मिली तो उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोहद प्रीतम माझी को कार्रवाई हेतु निर्देशित किया, जिस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देशन में स्वयं बूचड़खाने पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और सफाई कर्मियों की मदद एवं पानी के टैंकरों से प्रेशर लगवा कर बूचड़खाने की सफाई कराई, बूचड़खाने में इतनी गंदगी थी कि जिसको साफ करने में सफाई कर्मियों को कई घंटे मस्क्त करनी पड़ी तब जाकर बड़ी मुश्किल से बूचड़खाना साफ हो सका। इसके पश्चात संबंधित दो दुकानदारों पप्पू एवं राजेश को नोटिस थमाए गए।प्रशासन की सूचना मिलते ही मीट की दुकानें समेटकर भागे मीट विक्रेता-मीट मार्केट में वैसे तो रोजाना एक से दो दुकानें ही लगतीं है परंतु मुस्लिम त्योहारों के अवसर पर यहां चार से छ- दुकानें लगाई जाती हैं, 25 फरवरी को भी यहां तीन से चार दुकानें लगाई गई थी। दुकानदारों को जैसे ही प्रशासन के आने की सूचना मिली तो व आनंद-फानन में अपनी अपनी दुकानें समेट कर रफू चक्कर हो गए। परंतु सबूत के तौर पर जगह-जगह खून के धब्बे एवं बूचड़खाने व इलाके में बदबू के प्रमाण छोड़ गए। अन्य स्थानों पर स्थानांतरित होगी बकरा मीट मार्केट- मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रीतम माझी के द्वारा बताया कि जल्द ही यहां से बकरा मीट मार्केट को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा, जब तक अन्य स्थान की व्यवस्था नहीं होती तब तक साफ-सफाई के साथ नियमानुसार प्रशासन की देखरेख में मीट की दुकानें लगाई जाएगी।

कर्मचारियों ने किया पुरानी पेंशन जयघोष आंदोलन का आगाज

चुनाव से पहले पेंशन बहाल नहीं हुई तो नई सरकार का संसद भवन घेराव से स्वागत- मंजीत पटेल

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर-ऑल इंडिया एनपीएस एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जनक सिंह रावत द्वारा बताया गया कि फेडरेशन एवं राज शिक्षक कांग्रेस के बैनर तले मानस भवन ग्वालियर में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय टीम के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह पटेल ने कहा कि लंबे समय से कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली के लिए आंदोलन कर रहे हैं। बीते साल में कर्मचारियों ने राज्यों से लेकर दिल्ली तक बड़ी बड़ी रैलियां की थीं। दिल्ली में केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए पिछले वर्ष दिल्ली में तीन बड़ी रैलियां आयोजित की गई थीं। जिनमें से दो रामलीला मैदान और एक जंतर मंतर पर हुई थी। केंद्र सरकार द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया था लेकिन उसका अब तक कोई अता-पता नहीं है जबकि लोकसभा के चुनाव नजदीक हैं और आचार संहिता कभी भी घोषित हो सकती है, इसलिए सरकार हमें गारंटीड पेंशन जल्द से जल्द दे,कर्मचारियों ने एक बार फिर सरकार पर दबाव बनाने के लिए आंदोलन की शुरुआत कर दी है। मुख्य वक्ता क्रांति सिंह उत्तर प्रदेश ने कहा कि जिस तरह हम सरकारी योजनाओं को घर-घर गली-गली गांव-गांव तक ले जाते हैं हमें अपनी पुरानी पेंशन की समस्याओं को जन-जन तक ले जाना होगा इसमें हर परिवार हर घर को जोड़ना होगा सभी कर्मचारियों में जागरूकता लाकर संगठित होकर पुरानी पेंशन के लिए एक बार फिर सरकार से अपील करेंगे और सरकार से अपील करते हैं लोकसभा चुनाव से पहले कर्मचारियों की आत्मा पुरानी पेंशन बहाल करें अन्यथा नई सरकार का हम संसद भवन का घेराव से

स्वागत करेंगे संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सुधीर रूप जी ने कहां के ऑल इंडिया नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ यूनियन, फेडरेशन के साथ है प्रदेश सहित देश में जहां भी आंदोलन होगा पैरामेडिकल स्टाफ और हमारा संगठन फेडरेशन के साथ रहेगा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विनोद यादव रेलवे कर्मचारी यूनियन के नेत्रपाल डागर छिंदवाडा से आए हुए अनिल सिंह सूर्यवंशी ने भी अपने विचार व्यक्त किये सभी कर्मचारियों से संगठित होकर पुरानी पेंशन के लिए सरकार तक अपनी मांग पहुंचाएं और कर्मचारियों की आत्मा पुरानी पेंशन को बहाल करें न्यू पेंशन स्कीम उद्योगपतियों को लाभ देने के लिए है इसे बंद किया जाए कर्मचारी हित में पुरानी पेंशन लागू की जाए राज्य शिक्षक कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष राकेश नायक जी एवं कार्यवाहक प्रांत अध्यक्ष राजीव पाठक रामनरेश दंडोतिया मुरैना ने भी अपने विचार व्यक्त किये और कहा संगठन पेंशन की है लड़ाई में आपके साथ है इसी क्रम में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनक सिंह रावत के द्वारा सेमिनार में कहा गया कि विधानसभा चुनाव के बाद से मध्य प्रदेश के कर्मचारियों में निराशा का भाव है अब तक प्रदेश के कर्मचारियों द्वारा ना तो महंगाई भत्ते की मांग की गई है नहीं अन्य समस्याओं के लिए कोई प्रयास किए गए हैं आज तक नई सरकार को ज्ञापन तक नहीं दिया गया है इस निराशा के भाव को आशा के भाव में बदलने के लिए संगठन ने ग्वालियर में पेंशन जय घोष सेमिनार का आयोजन किया गया है सभी कर्मचारियों से अपील करता हूं अपने हित,हक़,अधिकारों के लिए सजग और सचेत रहें सेमिनार मै मध्य प्रदेश के कई जिलों से कर्मचारियों ने भाग लिया जिसमे मोहर सिंह मौर्य आजाक्स कमल सिंह वीरेंद्र सिंह रावत बालूराम रावत, देवेश दुबे, हिम्मत सिंह यादव, निरंजन सिंह गुर्जर, अरविंद दीक्षित, हेमंत पाठक, शांति लाल रावत, आशीष पाठक, विवेक चौरसिया, राकेश राठौर, संजीव, संतोष श्रीवास्तव, गोविंद राम सहित अन्य साथी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन निरंजन सिंह गुर्जर एवं आभार व्यक्त देवेश दुबे द्वारा किया गया

कल किसान ट्रैक्टरों के साथ करेंगे प्रदर्शन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर-संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कल किसान 26 फरवरी को सुबह 11-00 बजे से अटल गेट पुरानी छावनी से बामोर हाईवे तक ट्रैक्टरों के साथ जुलूस निकाला जायेगा।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 26 फरवरी से ही संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में विश्व व्यापार संगठन की बैठक शुरू हो रही है। विश्व व्यापार संगठन में शामिल विकसित देश गरीब और विकासशील देशों की खेती किसानी पर कब्जा करने के उद्देश्य से नीतियां बनवाना चाहते हैं।

कल के प्रदर्शन में किसान भारत सरकार से यह मांग करेंगे की सरकार किसी भी तरीके से विश्व व्यापार संगठन के सामने घुटने ना टेके और खेती किसानी को बर्बाद करने वाली नीतियों स्वीकार न करे। ज्ञातव्य हो की मोदी सरकार पहले भी इन्ही विकसित देशों और कार्पोरेट के दबाव में आकर तीन कृषि विरोधी काले कानून लेकर आई थी जिन्हें किसानों ने अपने आंदोलन की दम पर वापस करने के लिए मजबूर किया था ।

26 फरवरी को जब अबुधाबी में डब्लू टी ओ की बैठक शुरू हो रही है उसके पहले ही दिन देश भर के किसान अपने सड़कों को हाईवे पर निकाल कर डब्लू टी ओ का पुतला फूंक कर सरकार से मांग करेंगे कि वह किसी कीमत पर भी देश की खेती और किसानी के साथ समझौता न करें।

ग्वालियर में किसान मोर्चा के सभी नेताओं ने किसान भाइयों से सुबह 11-00 बजे अटल गेट पुरानी छावनी पर एकत्रित होने का आह्वान किया है। आव्हान करने वालो में अखिलेश यादव पी पी शर्मा अशोक पाठक भगवान सिंह गुर्जर रणवीर सिंह यादव सुग्रीव सिंह कुशवाह राय सिंह तलविंदर सिंह रामकृष्ण सिंह कुशवाह पूरन सिंह राणा अलवर सिंह राणा आदि शामिल हैं

डिप्लोमा इंजीनियर्स अपनी मांगों के लिए अभियान छेडेंगे, रजनीश गुप्ता पुनः जिलाध्यक्ष बने

ग्वालियर। मप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसियेशन डिप्लोमा इंजीनियर्स की लंबित मांगों को लेकर जल्द ही पूरे प्रदेश भर में अपना महाअभियान छेडेंगा। डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसियेशन ग्वालियर की जिला कार्यकारिणी ग्वालियर के निर्वाचन के मौके पर डिप्लोमा इंजीनियर्स ने सामूहिक रूप से राज्य सरकार से उनकी मांगों के शीघ्र निपटान की मांग की। सभी ने एकजुटता से डिप्लोमा इंजीनियर्स के हित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस मज़ैके पर एसोसियेशन का नया जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता को पुनः चुना गया। म.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन का अधिवेशन एवं निर्वाचन रविवार को अभियंता सदन गोलघर प?ाव पर सम्पन्न हुआ । बैठक में सर्वप्रथम सर मोक्ष गुंडम विश्वेश्वरैया जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। बैठक में संरक्षक इंजी. राजेन्द्र सिंह भदौरिया मुख्य अतिथि थे एवं अध्यक्षता इंजी रविन्द्र सिंह कुशवाह ने की। बैठक में पिछली कार्यकारिणी के कार्यकाल की उपलब्धियों पर जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने प्रकाश डाला गया । इसके उपरांत नवीन जिला कार्यकारिणी के निर्वाचन हेतु मंच निर्वाचन पर्यवेक्षक इंजी. दिलीप गुप्ता एवं इंजी. प्रीतम रावत को सौपा गया । निर्वाचन में उपस्थित सभी अभियन्ताओं के द्वारा इंजी रजनीश गुप्ता के पुराने कार्यकाल की उपलब्धियों के फलस्वरूप सर्वसम्मति से पुनः जिलाध्यक्ष हेतु सदन में उपस्थित सभी अभियन्ताओं के द्वारा प्रस्ताव दिया गया । जिसे पर्यवेक्षक दल द्वारा स्वीकार करते हुए इंजी रजनीश गुप्ता को निर्विरोध जिलाध्यक्ष घोषित किया गया। साथ ही लोनिवि के इंजी संजीव जैन को जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया गया। वहीं नगर निगम के इंजी. शैलेंद्र सक्सेना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आरईएस के इंजी अरविंद बघेल, लो नि वि के इंजी के.के. शर्मा, एवं जल संसाधन के इंजी आर.सी. चिरा? को उपाध्यक्ष एवं सह सचिव पद पर वरुण धूमाल, ओम प्रकाश छापरिया, इंजी आरईएस के मनोज मंगेश को कोषाध्यक्ष, इंजी सतीश चंद्र जैन को लो.नि.वि. का विभागीय जिला समिति अध्यक्ष एवं इंजी अजय शर्मा को जिला प्रवक्ता, इंजी प्रेम सिंह नरवरिया लो.स्वा.यां.वि. तहसील ग्वालियर का अध्यक्ष के पद पर सर्वसम्मति से चुना गया। जिला कार्यक्रम को वरिष्ठ प्रांतीय पदाधिकारी इंजी विजय खेमरिया, इंजी ए.पी.एस. भदौरिया, एवं इंजी रमेश भदौरिया, इंजी गिरीश भटेले, इंजी वीरेंद्र यादव, इंजी प्रदीप स्वर्णकार, इंजी एल.एन.गुप्ता जिलाध्यक्ष सेवानिवृत डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन आदि ने संबोधित किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478